THEME
14th

UNDERSTANDING PARTITION

POLITICS, MEMORIES, EXPERIENCES

वभाजन को समझना

राजनीति, स्मृति, अनुभव

THEME 14th

UNDERSTANDING PARTITION
POLITICS, MEMORIES, EXPERIENCES

वभाजन को समझना
राजनीति, स्मृति, अनुभव

The Partition of British India into the sovereign states of India and Pakistan (with its western and eastern wings) led to many sudden developments.

ब्रिटिश–भारत के दो संप्रभु राज्यों, भारत और पाकिस्तान (जिसके पश्चिमी और पूर्वी भाग थे), में बँटवारे से कई आकस्मिक परिवर्तन आए।

THEME 14th

UNDERSTANDING PARTITION
POLITICS, MEMORIES, EXPERIENCES

वभाजन को समझना
राजनीति, स्मृति, अनुभव

Thousands of lives were snuffed out, many others changed dramatically, cities changed, India changed, a new country was born, and there was unprecedented genocidal violence and migration.

लाखों जानें गइं, कइयों की जिंदगियां पलक झपकते बदल गइं, शहर बदले, भारत बदला, एक नए देश का उदय हुआ और एसा जनसंहार, हिंसा एवं विस्थापन हुआ जिसका इतिहास में पहले कोई उदाहरण न था।

THEME 14th

UNDERSTANDING PARTITION
POLITICS, MEMORIES, EXPERIENCES

वभाजन को समझना
राजनीति, स्मृति, अनुभव

❖ **"I am simply returning my father's karz, his debt"**

This is what the researcher recorded: During my visits to the History Department Library of Punjab University, Lahore, in the winter of 1992, the librarian, Abdul Latif, a pious middle-aged man, would help me a lot.

❖ "मैं तो सिर्फ़ अपने अब्बा पर चढ़ा हुआ कर्ज़ चुका रहा हूं

शोधकर्ता की रिपोर्ट इस प्रकार है: मैं **1992** की सर्दियों में पंजाब यूनिवर्सिटी, लाहौर के इतिहास विभाग के पुस्तकालय में जाया करता था। वहां अब्दुल लतीफ़ नामक एक धर्मनिष्ठ अधेड सज्जन मेरी बहुत मदद किया करते थे।

UNDERSTANDING PARTITION
POLITICS, MEMORIES, EXPERIENCES

वभाजन को समझना
राजनीति, स्मृति, अनुभव

He would go out of his way, well beyond the call of duty, to provide me with relevant material, meticulously keeping photocopies requested by me ready before my arrival the following morning.

जितना उनके लिए करना ज़रूरी था, उससे भी आगे जाकर वे मुझे आवश्यक सामग्री मुहय्या करा देते थे और मेरी अनुरोध की हुई फ़ोटोकॉपियां अगली सुबह मेरे पहुँचने के पहले ही बड़े क़ायदे से तैयार रखते थे।

UNDERSTANDING PARTITION
POLITICS, MEMORIES, EXPERIENCES

वभाजन को समझना
राजनीति, स्मृति, अनुभव

I found his attitude to my work so extraordinary that one day I could not help asking him, "Latif Sahib, why do you go out of your way to help me so much?" Latif Sahib glanced at his watch, grabbed his namazi topi and said, "I must go for namaz right now but I will answer your question on my return." Stepping into his office half an hour later, he continued:

मेरे काम के प्रति उनका यह रवैया मुझे इतना अनोखा लगता था कि एक दिन मैं अपने को रोक नहीं पाया और पूछ ही बैठा, 'लतीफ़ साहब, आप ज़रूरत से ज़्यादा आगे बढ़-बे तुरंत नमाज़ के लिए जाना है पर लौटकर मैं आपके सवाल का जवाब ज़रूर दूँगा।' आधे घंटे बाद अपने दफ़्तर में लौटते ही उन्होंने बात आगे बढ़ाई:

THEME 14th

UNDERSTANDING PARTITION
POLITICS, MEMORIES, EXPERIENCES

वभाजन को समझना
राजनीति, स्मृति, अनुभव

"Yes, your question. I ... I mean, my father belonged to Jammu, to a small village in Jammu district. This was a Hindu-dominated village and Hindu ruffians of the area massacred the hamlet's Muslim population in August 1947.

'हां, आपका सवाल। मैं.... मेरा मतलब है मेरे वालिद जम्मू से थे, जम्मू ज़िले के एक छोटे-से गाँव के बाशिंदे। इस गाँव में हिंदुओं का दबदबा था और अगस्त **1947** में इलाके के हिंदू गुंडों ने गाँव की तमाम मुसलमान आबादी को मार डाला।

THEME 14th

UNDERSTANDING PARTITION
POLITICS, MEMORIES, EXPERIENCES

वभाजन को समझना
राजनीति, स्मृति, अनुभव

One late afternoon, when the Hindu mob had been at its furious worst, my father discovered he was perhaps the only Muslim youth of the village left alive. He had already lost his entire family in the butchery and was looking for ways of escaping.

एक रोज़ तीसरे पहर जब हिंदुओं की भीड का पागलपन अपनी हदें पार कर रहा था तो मेरे अब्बा को पता चला कि गाँव में शायद वे ही एकमात्र मुस्लिम नौजवान हैं जो जिंदा बचे हैं। अपने पूरे ख़ानदान को वे पहले ही इस क़त्लेआम में खो चुके थे और अब भागने के रास्ते ढूँढ रहे थे।

UNDERSTANDING PARTITION
POLITICS, MEMORIES, EXPERIENCES

वभाजन को समझना
राजनीति, स्मृति, अनुभव

Remembering a kind, elderly Hindu lady, a neighbour, he implored her to save him by offering him shelter at her place. The lady agreed to help father but said, 'Son, if you hide here, they will get both of us. This is of no use.

उन्हें एक दयालु बुजुर्ग हिंदू पड़ोसन का ख़याल आया। उन्होंने उनसे अपने घर में पनाह देने की प्रार्थना की। वे अब्बा की मदद को राज़ी तो हुईं, मगर बोलीं, 'बेटा, अगर तुम यहां छिपते हो तो वे लोग हम दोनों को ही धर लेंगे। इससे कोई फ़ायदा नहीं होगा।

UNDERSTANDING PARTITION
POLITICS, MEMORIES, EXPERIENCES

वभाजन को समझना
राजनीति, स्मृति, अनुभव

You follow me to the spot where they have piled up the dead. You lie down there as if dead and I will dump a few dead-bodies on you. Lie there among the dead, son, as if dead through the night and run for your life towards Sialkot at the break of dawn tomorrow.'

तुम मेरे पीछे–पीछे वहां चलो जहां इन लोगों ने मुर्दों के ढर लगा रखे हैं। तुम वहां मुर्दे जैसे बनकर लेट जाना और मैं तुम पर कुछ लाशें डाल दूँगी। बेटा सारी रात मुर्दों के बीच एसे ही लेटे रहना और सुबह पौ फटते ही जी–जान से सियालकोट की तरफ़ दौड जाना।

THEME 14th

UNDERSTANDING PARTITION
POLITICS, MEMORIES, EXPERIENCES

वभाजन को समझना
राजनीति, स्मृति, अनुभव

"My father agreed to the proposal. Off they went to that spot, father lay on the ground and the old lady dumped a number of bodies on him. An hour or so later a group of armed Hindu hoodlums appeared. One of them yelled, 'Any life left in anybody?' and the others started, with their crude staffs and guns, to feel for any trace of life in that heap.

'मेरे अब्बा यह सुझाव मान गए। फिर वे दोनों वहां गए जहां लाशें पड़ी थीं। अब्बा चुपचाप ज़मीन पर लेट गए और बूढ़ी माई ने उन पर कई लाशें डाल दीं। कोई घंटे भर बाद हथियारबंद हिंदू दंगाइयों का एक जत्था वहां आ धमका। उनमें से एक चिल्लाया 'किसी में कुछ जान बची है?' और दूसरे लोग अपनी अनगढ़ लाठियों और बंदूकों से उस ढर में जिंदगी के आसार तलाशने लगे।

UNDERSTANDING PARTITION
POLITICS, MEMORIES, EXPERIENCES

वभाजन को समझना
राजनीति, स्मृति, अनुभव

Somebody shouted, 'There is a wrist watch on that body!' and hit my father's fingers with the butt of his rifle. Father used to tell us how difficult it was for him to keep his outstretched palm, beneath the watch he was wearing, so utterly still.

कोई चिल्लाया, 'अरे उस लाश की कलाई पर घड़ी है।' उसने राइफ़ल का कुंदा ज़ोर से अब्बा की उँगलियों पर दे मारा। अब्बाजी बताया करते थे कि घड़ी वाली कलाई की फैली हथेली को बिलकुल बिना हिलाए रखना उनके लिए कितना मुश्किल था।

UNDERSTANDING PARTITION
POLITICS, MEMORIES, EXPERIENCES

वभाजन को समझना
राजनीति, स्मृति, अनुभव

Somehow he succeeded for a few seconds until one of them said 'Oh, it's only a watch. Come let us leave, it is getting dark.' Fortunately, for Abbaji, they left and my father lay there in that wretchedness the whole night, literally running for his life at the first hint of light. He did not stop until he reached Sialkot.

किसी तरह कुछ सेकंड तक वे एसा करने में कामयाब रहे, तभी दंगाइयों में से कोई बोला, 'अरे, एक घड़ी ही तो है। चलो, चलो यहां से, अँधेरा होने लगा है।' अब्बाजी की तक़दीर थी कि वे लोग चले गए और मेरे अब्बा पूरी रात उस मरघट के माहौल में लेटे रहे। सुबह की उजास होते ही वे सचमुच अपनी जान लेकर ही भागे। सियालकोट पहुँचने तक वे रुके ही नहीं।

UNDERSTANDING PARTITION
POLITICS, MEMORIES, EXPERIENCES

वभाजन को समझना
राजनीति, स्मृति, अनुभव

"I help you because that Hindu mai helped my father. I am simply returning my father's karz, his debt."

"But I am not a Hindu," I said. "Mine is a Sikh family, at best a mixed HinduSikh one."

'मैं आपकी मदद इसलिए करता हूं कि एक हिंदू माई ने मेरे अब्बा की मदद की थी। मैं तो सिर्फ़ अपने अब्बा पर चढ़ा हुआ कर्ज़ चुका रहा हूँ।

मैंने कहा, 'मगर मैं तो हिंदू नहीं, सिख ख़ानदान से या हद से हद एक मिले-जुले हिंदू-सिख ख़ानदान से हूँ।'

THEME 14th

UNDERSTANDING PARTITION
POLITICS, MEMORIES, EXPERIENCES

वभाजन को समझना
राजनीति, स्मृति, अनुभव

"I do not know what your religion is with any surety. You do not wear uncut hair and you are not a Muslim. So, for me you are a Hindu and I do my little bit for you because a Hindu mai saved my father."

'मैं ठीक-ठाक नहीं जानता कि आपका मज़हब क्या है? आप केश भी नहीं रखते और मुसलमान भी नहीं हैं। सो, मेरे लिए तो आप हिंदू ही हैं और मैं जो थोड़ा-बहुत आपके लिए करता हूं वह इसलिए कि एक हिंदू माई ने मेरे अब्बा को बचाया था।'

THEME 14th

UNDERSTANDING PARTITION
POLITICS, MEMORIES, EXPERIENCES

वभाजन को समझना
राजनीति, स्मृति, अनुभव

❖ **"For quite a few years now, I have not met a Punjabi Musalman"**

The researcher's second story is about the manager of a youth hostel in Lahore. I had gone to the hostel looking for accommodation and had promptly declared my citizenship. "You are Indian, so I cannot allot you a room but I can offer you tea and a story," said the Manager. I couldn't have refused such a tempting offer. "In the early 1950s I was posted at Delhi," the Manager began. I was all ears:

❖ "बरसों हो गए, मैं किसी पंजाबी मुसलमान से नहीं मिला"

शोधकर्ता का दूसरा किस्सा लाहौर के एक यूथ हॉस्टल के मैनेजर के बारे में है : मैं जगह की तलाश में हॉस्टल गया था और वहां मैंने तुरंत अपनी नागरिकता की घोषणा कर दी थी। मैनेजर ने कहा, 'आप हिंदुस्तानी हैं, इसलिए आपको मैं कमरा तो दे नहीं सकता मगर आपको चाय पिला सकता हूं और एक क़िस्सा सुना सकता हूँ।' इतने ललचाने वाले प्रस्ताव पर मैं नहीं कैसे कह सकता था। मैनेजर ने शुरू किया–

'पचास के दशक के शुरुआती हिस्से में मेरी पोस्टिंग दिल्ली में हुई थी।' मैं ध्यान से सुन रहा था।

THEME 14th

UNDERSTANDING PARTITION
POLITICS, MEMORIES, EXPERIENCES

वभाजन को समझना
राजनीति, स्मृति, अनुभव

"I was working as a clerk at the Pakistani High Commission there and I had been asked by a Lahori friend to deliver a rukka (a short handwritten note) to his erstwhile neighbour who now resided at Paharganj in Delhi.

मैं वहां पाकिस्तानी दूतावास में क्लर्क था। मेरे एक लाहौरी दोस्त ने मुझे एक रुक्का (छोटी चिट्ठी) दिया था जो कभी उसके पड़ोसी रहे एक व्यक्ति को देना था। वह व्यक्ति आजकल दिल्ली के पहाड़गंज में रह रहा था।

THEME 14th

UNDERSTANDING PARTITION
POLITICS, MEMORIES, EXPERIENCES

वभाजन को समझना
राजनीति, स्मृति, अनुभव

One day I rode out on my bicycle towards Paharganj and just as I crossed the cathedral at the Central Secretariat, spotting a Sikh cyclist I asked him in Punjabi, 'Sardarji, the way to Paharganj, please?'

एक दिन मैं अपनी साइकिल लेकर पहाड़गंज को चल पड़ा। जैसे ही मैंने सेंट्रल सेक्रेटेरियट के पास वाले कथीड्रल (बड़ा गिरजाघर) को पार किया, मुझे एक सिख साइकिल पर जाता दिखाई दिया। उसे रोककर मैंने पंजाबी में पूछा, "सरदार जी, पहाड़गंज का रास्ता किधर से है?"

THEME 14th

UNDERSTANDING PARTITION
POLITICS, MEMORIES, EXPERIENCES

वभाजन को समझना
राजनीति, स्मृति, अनुभव

‘Are you a refugee?’ he asked.

‘No, I come from Lahore. I am Iqbal Ahmed.’

‘Iqbal Ahmed ... from Lahore? Stop!’

“That ‘Stop!’ sounded like a brute order to me and I instantly thought now I’ll be gone.

उन्होंने पूछा, “तुम शरणार्थी हो?”

“नहीं, मैं लाहौर से आया हूँ। मैं इक़बाल अहमद हूँ।”

“इकबाल अहमद..... लाहौर से?! रुको, रुको!”

वह “रुको!” की आवाज मुझे बेरहम हुक्म जैसी सुनाई दी और मैंने सोचा कि अब तो मैं गया।

This Sikh will finish me off. But there was no escaping the situation, so I stopped. The burly Sikh came running to me and gave me a mighty hug. Eyes moist, he said, 'For quite a few years now, I have not met a Punjabi Musalman. I have been longing to meet one but you cannot find Punjabi-speaking Musalmans here.'"

य सिख मुझे ख़त्म ही कर देगा। पर और कोई चारा नहीं था, इसलिए मैं रुक गया। वह भारी-भरकम सिख दौड़ता आया और उसने मुझे कसकर भींच लिया। भीगी आंखों से उसने कहा, "बरसों हो गए, मैं किसी पंजाबी मुसलमान से नहीं मिला। मैं मिलने को तरस रहा था पर यहां पंजाबी बोलने वाले मुसलमान मिलते ही नहीं।"

THEME 14th

UNDERSTANDING PARTITION
POLITICS, MEMORIES, EXPERIENCES

वभाजन को समझना
राजनीति, स्मृति, अनुभव

❖ "No, no! You can never be ours"

This is the third story the researcher related: I still vividly remember a man I met in Lahore in 1992. He mistook me to be a Pakistani studying abroad. For some reason he liked me.

❖ "ना, नहीं! तुम कभी हमारे नहीं हो सकते"

शोधकर्ता की तीसरी घटना इस प्रकार है : मुझे अभी भी **1992** में लाहौर में मिले एक आदमी की बहुत अच्छी तरह याद है। वह ग़लती से मुझे विदेश में पढ़ने वाला पाकिस्तानी समझ बैठा था। जाने किस वजह से वह मुझे पसंद करने लगा था।

UNDERSTANDING PARTITION
POLITICS, MEMORIES, EXPERIENCES

वभाजन को समझना
राजनीति, स्मृति, अनुभव

He urged me to return home after completing my studies to serve the qaum (nation). I told him I shall do so but, at some stage in the conversation, I added that my citizenship happens to be Indian. All of a sudden his tone changed, and much as he was restraining himself, he blurted out,

वह मुझसे अनुरोध कर रहा था कि पढ़ाई पूरी करके मैं क़ौम की ख़िदमत करने के लिए वापस लौट आऊँ। मैंने कहा कि मैं लौटूँगा, लेकिन बातचीत के दौर में मैंने जब बताया कि मैं भारत का नागरिक हूं तो एकदम से उसका लहजा बदल गया और अपने आपको भरसक रोकते-रोकते भी उसके मुँह से निकल गया,

THEME 14th

UNDERSTANDING PARTITION
POLITICS, MEMORIES, EXPERIENCES

वभाजन को समझना
राजनीति, स्मृति, अनुभव

"Oh Indian! I had thought you were Pakistani." I tried my best to impress upon him that I always see myself as South Asian. "No, no! You can never be ours. Your people wiped out my entire village in 1947, we are sworn enemies and shall always remain so."

"ओह, हिंदुस्तानी, मैं समझा था आप पाकिस्तानी हैं।" मैंने उसे समझाने की पूरी कोशिश की कि मैं अपने आपको दक्षिण एशियाई मानता हूं, पर वह अड़ा रहा, "ना, नहीं! तुम कभी हमारे नहीं हो सकते। तुम्हारे लोगों ने **1947** में मेरा पूरा गाँव-का-गाँव साफ़ कर दिया था। हम कट्टर दुश्मन है, और हमेशा रहेंगे।"

THEME 14th

UNDERSTANDING PARTITION
POLITICS, MEMORIES, EXPERIENCES

वभाजन को समझना
राजनीति, स्मृति, अनुभव

❖ A Momentous Marker (Partition or holocaust?)

❖ एतिहासिक मोड (बँटवारा या महाध्वंस (होलोकॉस्ट)

The narratives just presented point to the pervasive violence that characterised Partition.

अभी जो संस्मरण पेश किए गए हैं उनसे बँटवारे के दौरान हुई चौतरफ़ा हिंसा का पता चलता है।

THEME 14th

UNDERSTANDING PARTITION
POLITICS, MEMORIES, EXPERIENCES

वभाजन को समझना
राजनीति, स्मृति, अनुभव

Several hundred thousand people were killed and innumerable women raped and abducted. Millions were uprooted, transformed into refugees in alien lands.

कई लाख लोग मारे गए, न जाने कितनी औरतों का बलात्कार और अपहरण हुआ। करोड़ों उजड गए, रातों-रात अजनबी ज़मीन पर "रि.फ्यूजी" (शरणार्थी) बनकर रह गए।

THEME 14th

UNDERSTANDING PARTITION
POLITICS, MEMORIES, EXPERIENCES

वभाजन को समझना
राजनीति, स्मृति, अनुभव

As they stumbled across these "shadow lines" – the boundaries between the two new states were not officially known until two days after formal independence –

जैसे ही उन्होंने इस "छाया सीमा" (**Shadow Lines,** दोनों नए राज्यों के बीच की सरहद औपचारिक आज़ादी के दो दिन बाद तक भी अधिकृत रूप से तय नहीं थी) से ठोकर खाई,

बैलगाड़ियों पर अपने परिवारों और सामान के साथ, 1947

THEME 14th

UNDERSTANDING PARTITION

POLITICS, MEMORIES, EXPERIENCES

वभाजन को समझना

राजनीति, स्मृति, अनुभव

They were rendered homeless, having suddenly lost all their immovable property and most of their movable assets, separated from many of their relatives and friends as well, torn asunder from their moorings, from their houses, fields and fortunes, from their childhood memories.

वे बेघर हो गए। पलक झपकते उनके माल-असबाब हाथ से जाते रहे, दोस्त-रिश्तेदार बिछड गए, वे अपनी जड़ों, मकानों, खेतों और कारोबार से महरूम हो गए, बचपन की यादें उनसे छीन ली गइं।

THEME 14th

UNDERSTANDING PARTITION
POLITICS, MEMORIES, EXPERIENCES

वभाजन को समझना
राजनीति, स्मृति, अनुभव

The survivors themselves have often spoken of 1947 through other words: "maashal-la" (martial law), "mara-mari' (killings), and "raula", or "hullar" (disturbance, tumult, uproar).

ज़िंदा बच जाने वाले **1947** को अकसर कई दूसरे शब्दों में व्यक्त करते हैं : "माशल-ला" (मार्शल लॉ), "मारामारी", और "रौला", या "हुल्लड"।

THEME 14th

UNDERSTANDING PARTITION
POLITICS, MEMORIES, EXPERIENCES

वभाजन को समझना
राजनीति, स्मृति, अनुभव

Speaking of the killings, rape, arson, and loot that constituted Partition, contemporary observers and scholars have sometimes used the expression "holocaust" as well, primarily meaning destruction or slaughter on a mass scale.

विभाजन के दौरान हुई हत्याओं, बलात्कार, आगज़नी और लूटपाट की बात करते हुए समकालीन प्रेक्षकों और विद्वानों ने कई बार "महाध्वंस" (होलोकॉस्ट) शब्द का उल्लेख किया है। ज़ाहिर है वे इस सामूहिक जनसंहार की भयानकता को रेखांकित करना चाहते हैं।

THEME 14th

UNDERSTANDING PARTITION
POLITICS, MEMORIES, EXPERIENCES

वभाजन को समझना
राजनीति, स्मृति, अनुभव

The term "holocaust" in a sense captures the gravity of what happened in the subcontinent in 1947, something that the mild term "partition" hides. It also helps to focus on why Partition, like the Holocaust in Germany, is remembered and referred to in our contemporary concerns so much.

यह हादसा इतना जघन्य था कि "विभाजन", "बँटवारे" या "त.कसीम" जैसे शब्दों से उसके सारे पहलू सामने नहीं आते। इससे यह भी समझने में मदद मिलती है कि य्रोपीय होलोकॉस्ट की तरह हमारे समकालीन सरोकारों में भी विभाजन का इतना ज़्यादा ज़िक्र क्यों आता है?

THEME 14th

UNDERSTANDING PARTITION
POLITICS, MEMORIES, EXPERIENCES

वभाजन को समझना
राजनीति, स्मृति, अनुभव

The "ethnic cleansing" that characterised the partition of India was carried out by self-styled representatives of religious communities rather than by state agencies.

भारत विभाजन के व.क्त जो "नस्ली सफ़ाया" हुआ, वह सरकारी निकायों की नहीं बल्कि धार्मिक समुदायों के स्वयंभू प्रतिनिधियों की कारगुज़ारी थी।

THEME 14th

UNDERSTANDING PARTITION
POLITICS, MEMORIES, EXPERIENCES

वभाजन को समझना
राजनीति, स्मृति, अनुभव

❖ The power of stereotypes

❖ रूढ़ि छवियों (Stereotype) की ताक़त

The stereotype of extra-territorial, pan-Islamic loyalties comes fused with other highly objectionable ideas: Muslims are cruel, bigoted, unclean, descendants of invaders, while Hindus are kind, liberal, pure, children of the invaded.

नकी कथित गैर–भारतीय, अखिल इस्लामी निष्ठा की इस धारणा के साथ कई और भी आपत्तिजनक विचार जुड़े होते हैं। मसलन कई लोगों को लगता है कि मुसलमान क्रूर होते हैं, कट्टर होते हैं, गंदे होते हैं और हमलावरों के वंशज हैं जबकि हिंदू दयालु, उदार, शुद्ध और जिन पर हमला किया गया उनके वंशज हैं।

THEME 14th

UNDERSTANDING PARTITION
POLITICS, MEMORIES, EXPERIENCES

वभाजन को समझना
राजनीति, स्मृति, अनुभव

Some of these stereotypes pre-date Partition but there is no doubt that they were immensely strengthened because of 1947.

हालाँकि इनमें से कुछ छवियां विभाजन से भी पहले की हैं लेकिन **1947** की घटनाओं से उन्हें और बल मिला है।

THEME 14th

UNDERSTANDING PARTITION
POLITICS, MEMORIES, EXPERIENCES

वभाजन को समझना
राजनीति, स्मृति, अनुभव

Partition generated memories, hatreds, stereotypes and identities that still continue to shape the history of people on both sides of the border.

विभाजन ने एसी स्मृतियां, घृणाएँ, छवियां और पहचानें रच दी हैं कि वे आज भी सरहद के दोनों तरफ़ लोगों के इतिहास को तय करती चली जा रही हैं।

THEME 14th

UNDERSTANDING PARTITION
POLITICS, MEMORIES, EXPERIENCES

वभाजन को समझना
राजनीति, स्मृति, अनुभव

Stories of Partition violence are recounted by communal groups to deepen the divide between communities: creating in people's minds feelings of suspicion and distrust, consolidating the power of communal stereotypes, creating the deeply problematic notion that Hindus, Sikhs and Muslims are communities with sharply defined boundaries, and fundamentally opposed interests.

बँटवारे के दौरान हुई हिंसा की कहानियों को सांप्रदायिक समूह विभिन्न समुदायों के आपसी फ़ासले को और गहरा करने के लिए बार-बार दोहराते हैं। वे लोगों के ज़हन में संशय और अविश्वास पैदा करते हैं, सांप्रदायिक रूढ़ छवियों को मजबूत करते हैं, इस निराधार सोच को हवा देते हैं कि हिंदू, सिख, मुसलमान, इन समुदायों के बीच सीमाएँ स्पष्ट रूप से परिभाषित हैं और उनके हित एक-दूसरे के बिलकुल विपरीत हैं।

THEME 14th

UNDERSTANDING PARTITION
POLITICS, MEMORIES, EXPERIENCES

वभाजन को समझना
राजनीति, स्मृति, अनुभव

❖ Why and How Did Partition Happen? (Culminating point of a long history?)

❖विभाजन क्यों और कैसे हुआ? (एक लंबे इतिहास का अंतिम चरण?)

They emphasise that the events of 1947 were intimately connected to the long history of Hindu-Muslim conflict throughout medieval and modern times.

यह इतिहासकार इस बात पर बल देते हैं कि **1947** की घटनाएँ मध्य और आधुनिक यगों में हुए हिंदू–मुस्लिम झगड़ों के लंबे इतिहास से बारीकी से जुड़ी हुई हैं।

Such an argument does not recognise that the history of conflict between communities has coexisted with a long history of sharing, and of mutual cultural exchange. It also does not take into account the changing circumstances that shape people's thinking.

लेकिन यह तर्क इस बात को अनदेखा कर जाता है कि इन समुदायों में झगड़ों का इतिहास मेल-जोल के लंबे इतिहास के साथ-साथ चला है। फिर, यह भी महत्त्वपूर्ण है कि हिंदू-मुसलमानों में कई तरह के सांस्कृतिक आदान-प्रदान रहे हैं। जो लोग दक्षिण एशिया में हिंदू-मुस्लिम झगड़ों की निरंतरता की बात करते हैं यह नहीं देखते कि लोगों की मानसिकता पर बदलती परिस्थितियों का असर होता है।

THEME 14th

UNDERSTANDING PARTITION
POLITICS, MEMORIES, EXPERIENCES

वभाजन को समझना
राजनीति, स्मृति, अनुभव

Some scholars see Partition as a culmination of a communal politics that started developing in the opening decades of the twentieth century.

कुछ विद्वान यह मानते हैं कि देश का बँटवारा एक एसी सांप्रदायिक राजनीति का आख़िरी बिंदु था जो 20वीं शताब्दी के प्रारंभिक दशकों में शुरू हुई।

UNDERSTANDING PARTITION
POLITICS, MEMORIES, EXPERIENCES

वभाजन को समझना
राजनीति, स्मृति, अनुभव

They suggest that separate electorates for Muslims, created by the colonial government in 1909 and expanded in 1919, crucially shaped the nature of communal politics.

उनका तर्क है कि अंग्रेज़ों द्वारा **1909** में मुसलमानों के लिए बनाए गए पृथक चुनाव क्षेत्रों, (जिनका **1919** में विस्तार किया गया), का सांप्रदायिक राजनीति की प्रकृति पर गहरा प्रभाव पड़ा।

This created a temptation for politicians working within this system to use sectarian slogans and gather a following by distributing favours to their own religious groups.

इस व्यवस्था में राजनितिज्ञों को लालच रहता था कि वह सामुदायिक नारों का इस्तेमाल करें और अपने धार्मिक समुदाय के व्यक्तियों को नाजायज़ फ़ायदे पहुँचाएँ।

THEME 14th

UNDERSTANDING PARTITION
POLITICS, MEMORIES, EXPERIENCES

वभाजन को समझना
राजनीति, स्मृति, अनुभव

लोग वही सामान अपने साथ लेकर चले जिसे वे उठाकर ले जा सकते थे। उजड़ने में लोगों को गहरे नुक़सान का अहसास हुआ। जहाँ वे पीढ़ियों से रह रहे थे, उन स्थानों से उनका विच्छेद हो गया।

Community identities no longer indicated simple difference in faith and belief; they came to mean active opposition and hostility between communities.

अब सामुदायिक अस्मिताओं से जुड़े अभिप्राय केवल विश्वास और अकायद (आस्था) के फ़र्कों पर केंद्रित नहीं थे। अब अकसर धार्मिक अस्मिताएँ समुदायों के बीच हो रहे विरोधों से जुड गईं।

THEME 14th

UNDERSTANDING PARTITION
POLITICS, MEMORIES, EXPERIENCES

वभाजन को समझना
राजनीति, स्मृति, अनुभव

Communal identities were consolidated by a host of other developments in the early twentieth century. During the 1920s and early 1930s tension grew around a number of issues.

20वीं शताब्दी के प्रारंभिक दशकों में सांप्रदायिक अस्मिताएँ कई अन्य कारणों से भी ज़्यादा पक्की हुई। **1920** और **1930** के दशकों में कई घटनाओं की वजह से तनाव उभरे।

THEME 14th

UNDERSTANDING PARTITION
POLITICS, MEMORIES, EXPERIENCES

वभाजन को समझना
राजनीति, स्मृति, अनुभव

Muslims were angered by "music-before-mosque", by the cow protection movement, and by the efforts of the Arya Samaj to bring back to the Hindu fold (shuddhi) those who had recently converted to Islam.

मुसलमानों को "मस्जिद के सामने संगीत", गो-रक्षा आंदोलन, और आर्य समाज की शुद्धि की कोशिशें (यानी कि नव मुसलमानों को फिर से हिंदू बनाना) जैसे मुद्दों पर गुस्सा आया।

❖ The Lucknow Pact

The Lucknow Pact of December 1916 was an understanding between the Congress and the Muslim League (controlled by the UP-based "Young Party") whereby the Congress accepted separate electorates. The pact provided a joint political platform for the Moderates, Radicals and the Muslim League.

❖ लखनऊ समझौता

दिसम्बर **1916** में हुआ यह समझौता कांग्रेस और मुस्लिम लीग (जिसे इस समय य.पी. में आधारित "य.वा पार्टी" नियंत्रित करती थी) के आपसी ताल-मेल को दर्शाता है। इस समझौते के तहत कांग्रेस ने पृथक चुनाव क्षेत्रों को स्वीकारा। समझौते ने कांग्रेस के मध्यमार्गियों, अतिवादियों और मुस्लिम लीग के लिए एक संय.क्त राजनीतिक मंच प्रदान किया।

UNDERSTANDING PARTITION
POLITICS, MEMORIES, EXPERIENCES

वभाजन को समझना
राजनीति, स्मृति, अनुभव

❖ Arya Samaj

A North Indian Hindu reform organisation of the late nineteenth and early twentieth centuries, particularly active in the Punjab, which sought to revive Vedic learning and combine it with modern education in the sciences.

❖ आर्य समाज

19वीं सदी के आख़िरी दशकों और प्रारंभिक **20**वीं शताब्दी का यह उत्तर भारतीय हिंदू "सुधार" आंदोलन ख़ासतौर पर पंजाब में सक्रिय था। आयं समाज वैदिक ज्ञान का पुनरुत्थान कर उसको विज्ञान की आधुनिक शिक्षा से जोड़ना चाहता था।

Music-before-mosque : The playing of music by a religious procession outside a mosque at the time of namaz could lead to Hindu-Muslim violence. Orthodox Muslims saw this as an interference in their peaceful communion with God.

मस्जिद के सामने संगीत : किसी धार्मिक जुलूस के द्वारा नमाज़ के व.क्त मस्जिद के बाहर संगीत के बजाए जाने से हिंदू–मुस्लिम हिंसा हो सकती थी। रूढ़िवादी मुसलमान इसे अपनी नमाज़ या इबादत में ख़लल मानते थे।

THEME 14th

UNDERSTANDING PARTITION
POLITICS, MEMORIES, EXPERIENCES

वभाजन को समझना
राजनीति, स्मृति, अनुभव

Every communal riot deepened differences between communities, creating disturbing memories of violence.

प्रत्यक सांप्रदायिक दंगे से समुदायों के बीच फ़र्क गहरे होते गए और हिंसा की परेशान करने वाली स्मृतियां भी निर्मित होती गइं।

Yet it would be incorrect to see Partition as the outcome of a simple unfolding of communal tensions.

फिर भी एसा कहना सही नहीं होगा कि बँटवारा केवल सीधे-सीधे बढ़ते हुए सांप्रदायिक तनावों की वजह से हुआ।

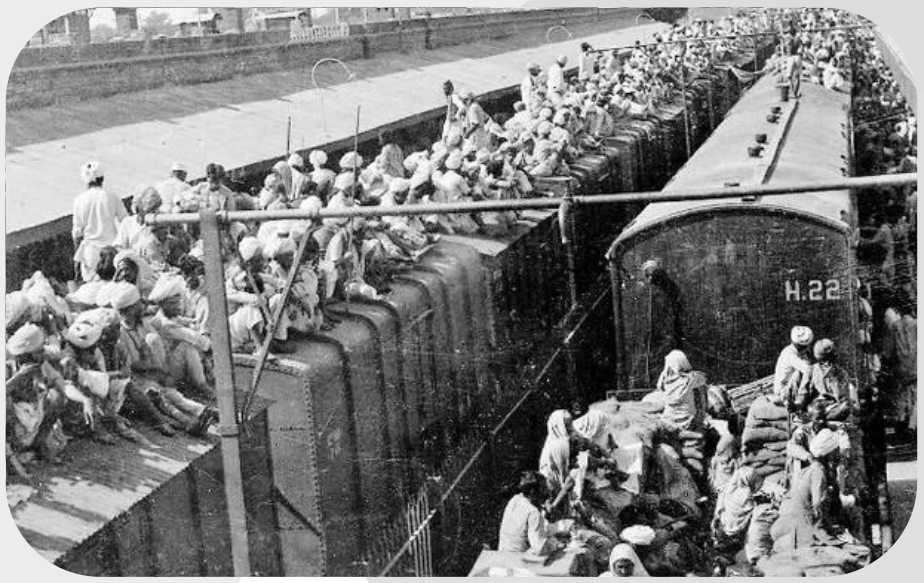

THEME 14th

UNDERSTANDING PARTITION
POLITICS, MEMORIES, EXPERIENCES

वभाजन को समझना
राजनीति, स्मृति, अनुभव

Partition was a qualitatively different phenomenon from earlier communal politics, and to understand it we need to look carefully at the events of the last decade of British rule.

पहले की सांप्रदायिक राजनीति और विभाजन में गुणात्मक फ़र्क है और बँटवारे को समझने के लिए हमें ब्रिटिश राज के आखरी दशक की घटनाओं को बारीकी से देखना होगा।

THEME 14th

UNDERSTANDING PARTITION
POLITICS, MEMORIES, EXPERIENCES

वभाजन को समझना
राजनीति, स्मृति, अनुभव

❖ What is communalism?

There are many aspects to our identity. You are a girl or a boy, all of you are young persons, you belong to a certain village, city, district or state and speak certain languages. You are Indians but you are also world citizens. Income levels differ from family to family, hence all of us belong to some social class or the other.

❖ सांप्रदायिकता से क्या अभिप्राय है?

हमारी अस्मिता के कई पहलू होते हैं। आप बालक हैं या बालिका, आप य़ुवा भी हैं, आप किसी गाँव, शहर, ज़िला अथवा प्रांत के निवासी हैं और आप कुछ विशेष भाषाएँ बोलते हैं। आप भारतीय हैं परंतु आप विश्व-नागरिक भी हैं। परिवारों की आय में फ़र्क होते ही हैं, इसलिए हम सभी किसी न किसी सामाजिक वर्ग के सदस्य हैं।

THEME 14th

UNDERSTANDING PARTITION
POLITICS, MEMORIES, EXPERIENCES

वभाजन को समझना
राजनीति, स्मृति, अनुभव

Most of us have a religion, and caste may play an important role in our lives. In other words, our identities have numerous features, they are complex. There are times, however, when people attach greater significance to certain chosen aspects of their identity such as religion. This in itself cannot be described as communal.

हम में से अधिकांश का कोई न कोई धर्म है और हमारी ज़िंदगी में जाति की महत्त्वपूर्ण भूमिका हो सकती है। दूसरे शब्दों में, हमारी अस्मिताओं के कई अभिलक्षण हैं यानी कि वे जटिल होती हैं। कुछ विशेष संदर्भों में लोग अपनी जटिल अस्मिताओं के कुछ चुने हुए पहलुओं (जैसे धर्म) को ज़्यादा महत्त्वपूर्ण मान बैठते हैं। लेकिन इसे सांप्रदायिकता नहीं कहा जा सकता।

UNDERSTANDING PARTITION
POLITICS, MEMORIES, EXPERIENCES

वभाजन को समझना
राजनीति, स्मृति, अनुभव

Communalism refers to a politics that seeks to unify one community around a religious identity in hostile opposition to another community. It seeks to define this community identity as fundamental and fixed.

सांप्रदायिकता उस राजनीति को कहा जाता है जो धार्मिक समुदायों के बीच विरोध और झगडे पैदा करती है। एसी राजनीति धार्मिक पहचान को बुनियादी और अटल मानती है। सांप्रदायिक राजनीतिज्ञों की कोशिश रहती है कि धार्मिक पहचान को मज़बूत बनाया जाए।

It attempts to consolidate this identity and present it as natural – as if people were born into the identity, as if the identities do not evolve through history over time. In order to unify the community, communalism suppresses distinctions within the community and emphasises the essential unity of the community against other communities.

वे इसे एक स्वाभाविक अस्मिता मान कर प्रस्तुत करते हैं, मानो लोग एसी पहचान लेकर पैदा हुए हों, मानो अस्मिताएँ इतिहास और समय के दौर से गुज़रते हुए बदलती नहीं हैं। सांप्रदायिकता किसी भी समुदाय में एकता पैदा करने के लिए आंतरिक फ़र्क़ों को दबाती है, उस समुदाय की एकता पर ज़ोर देती है, और उस समुदाय को किसी न किसी अन्य समुदाय के ख़िलाफ़ लड़ने के लिए प्रेरित करती है।

UNDERSTANDING PARTITION
POLITICS, MEMORIES, EXPERIENCES

वभाजन को समझना
राजनीति, स्मृति, अनुभव

One could say communalism nurtures a politics of hatred for an identified "other"– "Hindus" in the case of Muslim communalism, and "Muslims" in the case of Hindu communalism. This hatred feeds a politics of violence.

यह कहा जा सकता है कि सांप्रदायिकता किसी चिह्नित "गैर" के खिलाफ़ घृणा की राजनीति को पोषित करती है। मुस्लिम सांप्रदायिकता हिंदुओं को ग़ैर बता कर उनका विरोध करती है और एसे ही हिंदू सांप्रदायिकता मुसलमानों को ग़ैर समझ कर उनके ख़िलाफ़ डटी रहती है। इस पारस्परिक घृणा से हिंसा की राजनीति को बढ़ावा मिलता है।

THEME 14th

UNDERSTANDING PARTITION
POLITICS, MEMORIES, EXPERIENCES

वभाजन को समझना
राजनीति, स्मृति, अनुभव

Communalism, then, is a particular kind of politicisation of religious identity, an ideology that seeks to promote conflict between religious communities. In the context of a multi-religious country, the phrase "religious nationalism" can come to acquire a similar meaning. In such a country, any attempt to see a religious community as a nation would mean sowing the seeds of antagonism against some other religion/s.

इसका अर्थ है कि सांप्रदायिकता धार्मिक अस्मिता का विशेष तरह से राजनीतिकरण है जो धार्मिक समुदायों में झगड़े पैदा करवाने की कोशिश करता है। किसी भी बहु-धार्मिक देश में "धार्मिक राष्ट्रवाद" शब्दों का अर्थ भी "सांप्रदायिकता" के क़रीब-क़रीब हो सकता है। एसे देश में अगर कोई व्यक्ति किसी धार्मिक समुदाय को राष्ट मानता है तो वह विरोध और झगड़ों के बीज बो रहा है।

THEME 14th

UNDERSTANDING PARTITION
POLITICS, MEMORIES, EXPERIENCES

वभाजन को समझना
राजनीति, स्मृति, अनुभव

❖The provincial elections of 1937 and the Congress ministries

❖ 1937 में प्रांतीय चुनाव और कांग्रेस मंत्रालय

In 1937, elections to the provincial legislatures were held for the first time. Only about 10 to 12 per cent of the population enjoyed the right to vote. The Congress did well in the elections, winning an absolute majority in five out of eleven provinces and forming governments in seven of them.

प्रांतीय संसदों के गठन के लिए **1937** में पहली बार चुनाव कराय गय। इन चुनावों में मताधिकार केवल **10** से **12** प्रतिशत लोगों के पास था। इन चुनावों में कांग्रेस के परिणाम अच्छे रहे। उसने **11** में से **5** प्रांतों में पूर्ण बहुमत प्राप्त किया और **7** में अपनी सरकारें बनाइं।

It did badly in the constituencies reserved for Muslims, but the Muslim League also fared poorly, polling only 4.4 per cent of the total Muslim vote cast in this election.

मुसलमानों के लिए आरक्षित चुनाव क्षेत्रों में कांग्रेस का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा परंतु मुस्लिम लीग भी इन क्षेत्रों में बहुत अच्छा नहीं कर पाई। उसे इस चुनाव में संपूर्ण मुस्लिम वोट का केवल **4.4** प्रतिशत हिस्सा मिल पाया।

THEME 14th

UNDERSTANDING PARTITION
POLITICS, MEMORIES, EXPERIENCES

वभाजन को समझना
राजनीति, स्मृति, अनुभव

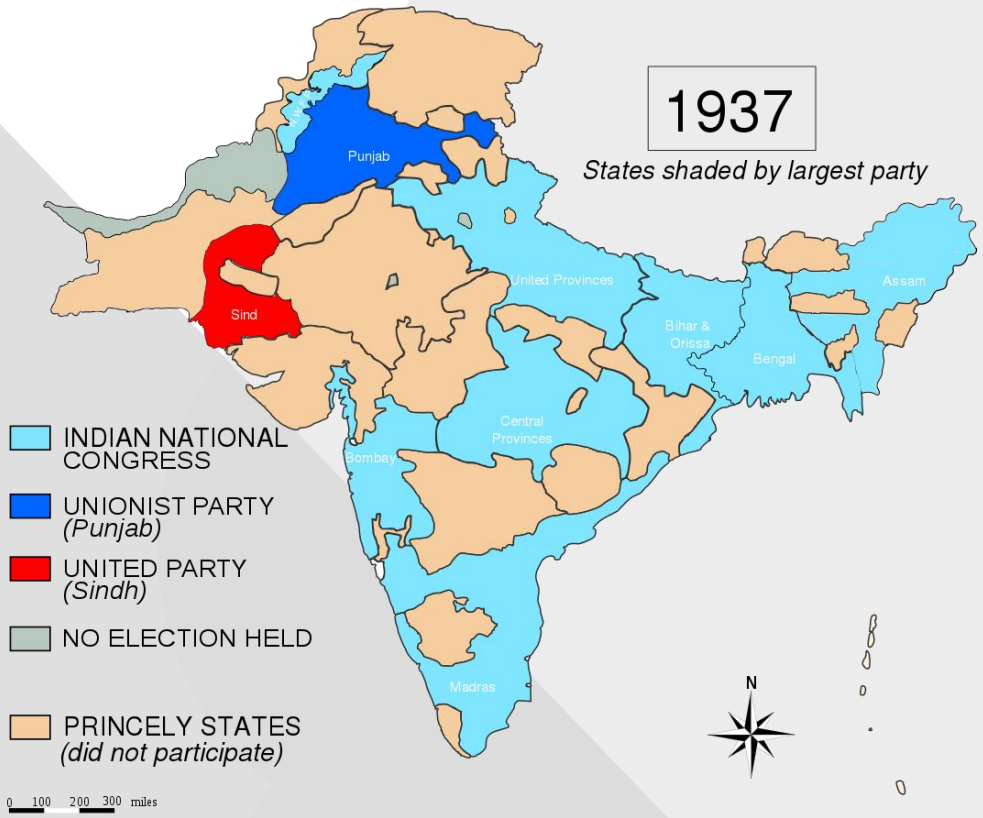

The League failed to win a single seat in the North West Frontier Province (NWFP) and could capture only two out of 84 reserved constituencies in the Punjab and three out of 33 in Sind.

उत्तर–पश्चिम सीमा प्रांत में उसे एक सीट भी नहीं मिली, पंजाब की 84 आरक्षित सीटों में उसे सिर्फ़ 2 प्राप्त हुइं, और सिंध में 33 में से 3 प्राप्त हुइं।

In the United Provinces, the Muslim League wanted to form a joint government with the Congress. The Congress had won an absolute majority in the province, so it rejected the offer

संयुक्त प्रांत (वर्तमान में उत्तर प्रदेश) में मुस्लिम लीग कांग्रेस के साथ मिल कर सरकार बनाना चाहती थी। परंतु यहां कांग्रेस का संपूर्ण बहुमत था, इसलिए उसने लीग की इस माँग को ठुकरा दिया।

THEME 14th

UNDERSTANDING PARTITION
POLITICS, MEMORIES, EXPERIENCES

वभाजन को समझना
राजनीति, स्मृति, अनुभव

The League assumed, of course, that only a Muslim party could represent Muslim interests, and that the Congress was essentially a Hindu party.

एसी समझ के पीछे लीग की यह मान्यता थी कि मुस्लिम हितों का प्रतिनिधित्व एक मुस्लिम पार्टी ही कर सकती है और कांग्रेस एक हिंदू दल है।

But Jinnah's insistence that the League be recognised as the "sole spokesman" of Muslims could convince few at the time.

परंतु जिन्ना की ज़िद कि लीग को मुसलमानों का "एकमात्र प्रवक्ता" माना जाए उस समय बहुत कम लोगों को मंज़ूर थी।

Though popular in the United Provinces, Bombay and Madras, social support for the League was still fairly weak in three of the provinces from which Pakistan was to be carved out just ten years later – Bengal, the NWFP and the Punjab. Even in Sind it failed to form a government.

लीग संयुक्त प्रांत, बम्बई और मद्रास में लोकप्रिय थी, परंतु अभी भी उसका सामाजिक आधार बंगाल में काफ़ी कमज़ोर था, और उत्तर-पश्चिम सीमा प्रांत एवं पंजाब में न के बराबर था। सिंध में भी लीग सरकार नहीं बना पाई थी और केवल दस साल बाद ही इन सभी प्रांतों से पाकिस्तान बनाया गया।

It was from this point onwards that the League doubled its efforts at expanding its social support.

इसीलिए, इस काल से लीग ने सामाजिक समर्थन की अपनी कोशिशें दोहरी कर दीं।

In the end, the secular and radical rhetoric of the Congress merely alarmed conservative Muslims and the Muslim landed elite, without winning over the Muslim masses.

इस प्रकार, कांग्रेस के धर्मनिरपेक्ष और रैडिकल बयानों से रूढ़िवादी मुसलमान और मुसलमान भूस्वामी तो चिंता में पड ही गए, कांग्रेस मुसलमानों को अपनी ओर आकर्षित करने में भी सफल नहीं हो पायो।

UNDERSTANDING PARTITION
POLITICS, MEMORIES, EXPERIENCES

वभाजन को समझना
राजनीति, स्मृति, अनुभव

❖ The Muslim League

Initially floated in Dhaka in 1906, the Muslim League was quickly taken over by the U.P.-based Muslim elite. The party began to make demands for autonomy for the Muslim-majority areas of the subcontinent and/or Pakistan in the 1940s.

❖ मुस्लिम लीग

मुस्लिम लीग को **1906** में ढाका में शुरू किया गया। जल्द ही लीग य़.पी. के विशेषकर अलीगढ़ के मुस्लिम संभ्रांत वर्ग के प्रभाव में आ गई। **1940** के दशक में पार्टी भारतीय महाद्वीप के मुस्लिम-बहुल क्षेत्रों की स्वायत्तता या फिर पाकिस्तान की माँग करने लगी।

❖ Hindu Mahasabha

Founded in 1915, the Hindu Mahasabha was a Hindu party that remained confined to North India. It aimed to unite Hindu society by encouraging the Hindus to transcend the divisions of caste and sect. It sought to define Hindu identity in opposition to Muslim identity

❖ हिंदू महासभा

हिंदू महासभा की स्थापना **1915** में हुई। यह एक हिंदू पार्टी थी जो कमोबेश उत्तर भारत तक सीमित रही। यह पार्टी हिंदुओं के बीच जाति एवं संप्रदाय के फ़र्कों को खत्म कर हिंदू समाज में एकता पैदा करने की कोशिश करती थी। हिंदू महासभा, हिंदू अस्मिता को मुस्लिम अस्मिता के विरोध में परिभाषित करने का प्रयास करती थी।

Confederation – in modern political language it refers to a union of fairly autonomous and sovereign states with a central government with delimited powers

महासंघ (या परिसंघ) – आधुनिक राजनीतिक शब्दावली में इसका अर्थ है काफ़ी हद तक स्वायत्त और संप्रभु राज्यों का संघ जिसकी केंद्रीय सरकार के पास केवल सीमित शक्तियां होती हैं।

UNDERSTANDING PARTITION
POLITICS, MEMORIES, EXPERIENCES

वभाजन को समझना
राजनीति, स्मृति, अनुभव

❖ The name "Pakistan"

The name Pakistan or Pak-stan (from Punjab, Afghan, Kashmir, Sind and Baluchistan) was coined by a Punjabi Muslim student at Cambridge, Choudhry Rehmat Ali, who, in pamphlets written in 1933 and 1935, desired a separate national status for this new entity

❖ पाकिस्तान का नाम

पाकिस्तान अथवा पाक-स्तान (पंजाब, अफ़गान, कश्मीर, सिंध और बालूचिस्तान) नाम केम्ब्रिज के एक पंजाबी मुसलमान छात्र, चौधरी रहमत अली ने **1933** और **1935** में लिखित दो पचों में गढ़ा। रहमत अली इस नयो ईकाई के लिए अलग राष्ट्रीय हैसियत चाहता था।

No one took Rehmat Ali seriously in the 1930s, least of all the League and other Muslim leaders who dismissed his idea merely as a student's dream.

1930 के दशक में किसी ने रहमत अली की बात को गंभीरता से नहीं लिया। यहां तक कि, मुस्लिम लीग और अन्य मुस्लिम नेताओं ने भी उसके इस विचार को केवल एक छात्र का स्वप्न समझकर ख़ारिज कर दिया था।

THEME 14th

UNDERSTANDING PARTITION
POLITICS, MEMORIES, EXPERIENCES

वभाजन को समझना
राजनीति, स्मृति, अनुभव

Maulana Azad, an important Congress leader, pointed out in 1937 that members of the Congress were not allowed to join the League, yet Congressmen were active in the Hindu Mahasabha– at least in the Central Provinces (present-day Madhya Pradesh).

मौलाना आज़ाद ने **1937** में यह सवाल उठाया था कि कांग्रेस के सदस्यों को लीग में शामिल होने की छूट तो नहीं है लेकिन उन्हें हिंदू महासभा में शामिल होने से नहीं रोका जाता है। उनके मुताबिक कम-से-कम मध्य प्रांत (वर्तमान मध्य प्रदेश) में यही स्थिति थी।

THEME 14th

UNDERSTANDING PARTITION
POLITICS, MEMORIES, EXPERIENCES

वभाजन को समझना
राजनीति, स्मृति, अनुभव

Only in December 1938 did the Congress Working Committee declare that Congress members could not be members of the Mahasabha. Incidentally, this was also the period when the Hindu Mahasabha and the Rashtriya Swayamsevak Sangh (RSS) were gaining strength.

कांग्रेस वर्किंग कमेटी ने दिसंबर **1938** में जाकर यह एलान किया कि कांग्रेस के सदस्य हिंदू महासभा के सदस्य नहीं हो सकते। प्रसंगवश, यह वही समय था जब हिंदू महासभा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आर. एस.एस.) की ताक़त बढ़ती जा रही थी।

THEME 14th

UNDERSTANDING PARTITION
POLITICS, MEMORIES, EXPERIENCES

वभाजन को समझना
राजनीति, स्मृति, अनुभव

❖ The "Pakistan" Resolution

❖ "पाकिस्तान" का प्रस्ताव

The Pakistan demand was formalised gradually. On 23 March 1940, the League moved a resolution demanding a measure of autonomy for the Muslim majority areas of the subcontinent. This ambiguous resolution never mentioned partition or Pakistan.

पाकिस्तान की स्थापना की माँग धीरे-धीरे ठोस रूप ले रही थी। **23** मार्च **1940** को मुस्लिम लीग ने उपमहाद्वीप के मुस्लिम-बहुल इलाकों के लिए कुछ स्वायत्तता की माँग का प्रस्ताव पेश किया। इस अस्पष्ट से प्रस्ताव में कहीं भी विभाजन या पाकिस्तान का जिक्र नहीं था।

In fact Sikandar Hayat Khan, Punjab Premier and leader of the Unionist Party, who had drafted the resolution, declared in a Punjab assembly speech on 1 March 1941 that he was opposed to a Pakistan that would mean "Muslim Raj here and Hindu Raj elsewhere ... If Pakistan means unalloyed Muslim Raj in the Punjab then I will have nothing to do with it."

बल्कि, इस प्रस्ताव को लिखने वाले पंजाब के प्रधानमंत्री और यूनियनिस्ट पार्टी के नेता सिंकदर हयात ख़ान ने **1** मार्च **1941** को पंजाब असेम्बली को संबोधित करते हुए एलान किया था कि वह एसे पाकिस्तान की अवधारणा का विरोध करते हैं जिसमें "यहां मुस्लिम राज और बाकी जगह हिंदू राज होगा...। अगर पाकिस्तान का मतलब यह है कि पंजाब में ख़ालिस मुस्लिम राज कायम होने वाला है तो मेरा उससे कोई वास्ता नहीं है।"

THEME 14th

UNDERSTANDING PARTITION
POLITICS, MEMORIES, EXPERIENCES

वभाजन को समझना
राजनीति, स्मृति, अनुभव

The origins of the Pakistan demand have also been traced back to the Urdu poet Mohammad Iqbal, the writer of "Sare Jahan Se Achha Hindustan Hamara".

कुछ लोगों का मानना है कि पाकिस्तान के गठन की माँग उर्दू कवि मोहम्मद इकबाल से शुरू होती है जिन्होंने "सारे जहां से अच्छा हिंदोस्तां हमारा" लिखा था।

THEME 14th

UNDERSTANDING PARTITION
POLITICS, MEMORIES, EXPERIENCES

वभाजन को समझना
राजनीति, स्मृति, अनुभव

In his presidential address to the Muslim League in 1930, the poet spoke of a need for a "NorthWest Indian Muslim state".

1930 में मुस्लिम लीग के अधिवेशन में अध्यक्षीय भाषण देते हुए उन्होंने एक "उत्तर-पश्चिमी भारतीय मुस्लिम राज्य" की ज़रूरत पर ज़ोर दिया था।

THEME 14th

UNDERSTANDING PARTITION
POLITICS, MEMORIES, EXPERIENCES

वभाजन को समझना
राजनीति, स्मृति, अनुभव

❖ The suddenness of Partition

❖ विभाजन का अचानक हो जाना

Many who migrated from their homelands in 1947 thought they would return as soon as peace prevailed again.

1947 में अपने मूल इलाक़े छोड़कर नयो जगह जाने वालों में से बहुतों को यही लगता था कि जैसे ही शांति बहाल होगी, वे लौट आएँगे।

THEME 14th

UNDERSTANDING PARTITION
POLITICS, MEMORIES, EXPERIENCES

वभाजन को समझना
राजनीति, स्मृति, अनुभव

Initially even Muslim leaders did not seriously raise the demand for Pakistan as a sovereign state.

शुरुआत में मुस्लिम नेताओं ने भी एक संप्रभु राज्य के रूप में पाकिस्तान की माँग खास संजीदगी से नहीं उठाई थी।

THEME 14th

UNDERSTANDING PARTITION
POLITICS, MEMORIES, EXPERIENCES

वभाजन को समझना
राजनीति, स्मृति, अनुभव

The pressure of the Second World War on the British delayed negotiations for independence for some time. Nonetheless, it was the massive Quit India Movement which started in 1942, and persisted despite intense repression, that brought the British Raj to its knees and compelled its officials to open a dialogue with Indian parties regarding a possible transfer of power.

दूसरे विश्वयुद्ध के कारण अंग्रेज़ों को स्वतंत्रता के बारे में औपचारिक वार्ताएँ कुछ समय तक टालनी पड़ीं। लेकिन **1942** में शुरू हुए विशाल भारत छोड़ो आंदोलन का परिणाम था कि अंग्रेज़ों को झुकना पड़ा और उसके अफ़सरों को संभावित सत्ता हस्तांतरण के बारे में भारतीय पक्षों के साथ बातचीत के लिए तैयार होना पड़ा।

❖ The Muslim League resolution of 1940

The League's resolution of 1940 demanded:

❖ मुस्लिम लीग का प्रस्ताव : 1940

मुस्लिम लीग के **1940** वाले प्रस्ताव की माँग थी –

that geographically contiguous units are demarcated into regions, which should be so constituted, with such territorial readjustments as may be necessary, that the areas in which the Muslims are numerically in a majority as in the north-western and eastern zones of India should be grouped to constitute "Independent States", in which the constituent units shall be autonomous and sovereign.

'कि भौगोलिक दृष्टि से सटी हुई ईकाइयों को क्षेत्रों के रूप में चिह्नित किया जाए, जिन्हें बनाने में ज़रूरत के हिसाब से इलाक़ों का फिर से एसा समायोजन किया जाए कि हिंदुस्तान के उत्तर–पश्चिम और पूर्वी क्षेत्रों जैसे जिन हिस्सों में मुसलमानों की संख्या ज्यादा है, उन्हें इकट्ठा करके 'स्वतंत्र राज्य' बना दिया जाए, जिनमें शामिल ईकाइयां स्वाधीन और स्वायत्त होंगी।'

UNDERSTANDING PARTITION
POLITICS, MEMORIES, EXPERIENCES

वभाजन को समझना
राजनीति, स्मृति, अनुभव

❖ Post-War developments

❖ युद्धोत्तर घटनाक्रम

Given the existing political situation, the League's first demand was quite extraordinary, for a large section of the nationalist Muslims supported the Congress (its delegation for these discussions was headed by Maulana Azad), and in West Punjab members of the Unionist Party were largely Muslims.

उस समय के राजनीतिक हालात को देखते हुए लीग की पहली माँग काफ़ी आश्चयंजनक थी क्योंकि राष्ट्रवादी मुसलमानों का एक बड़ा तबका कांग्रेस का समर्थन करता था (इन वार्ताओं में उसके प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व मौलाना आज़ाद कर रहे थे), और पश्चिमी पंजाब में यूनियनिस्ट पार्टी के सदस्य भी ज़्यादातर मुसलमान थे।

नवंबर 1939 में वायसराय के साथ बैठक से पहले महात्मा गाँधी के साथ मोहम्मद अली जिन्ना।

❖ Unionist Party

A political party representing the interests of landholders – Hindu, Muslim and Sikh – in the Punjab. The party was particularly powerful during the period 1923-47.

❖ यूनियनिस्ट पार्टी

पंजाब में हिंदू, मुस्लिम और सिख भूस्वामियों के हितों का प्रतिनिधित्व करने वाली राजनीतिक पार्टी। यह पार्टी **1923 - 47** के बीच काफ़ी ताकतवर थी।

THEME 14th

UNDERSTANDING PARTITION
POLITICS, MEMORIES, EXPERIENCES

वभाजन को समझना
राजनीति, स्मृति, अनुभव

- **A possible alternative to Partition**
- **विभाजन का एक संभावित विकल्प**

The Cabinet Mission toured the country for three months and recommended a loose three-tier confederation.

इस केबीनेट मिशन ने तीन महीने तक भारत का दौरा किया और एक ढोले-ढाले त्रिस्तरीय महासंघ का सुझाव दिया।

THEME 14th

UNDERSTANDING PARTITION
POLITICS, MEMORIES, EXPERIENCES

वभाजन को समझना
राजनीति, स्मृति, अनुभव

The sections or groups of provinces would comprise various regional units. They would have the power to set up intermediate-level executives and legislatures of their own.

प्रांतों के इन खण्डों या समूहों को मिला कर क्षेत्रीय ईकाइयों का गठन किया जाना था। माध्यमिक स्तर की कायंकारी और विधायो शक्तियां उनके पास ही रहने वाली थीं।

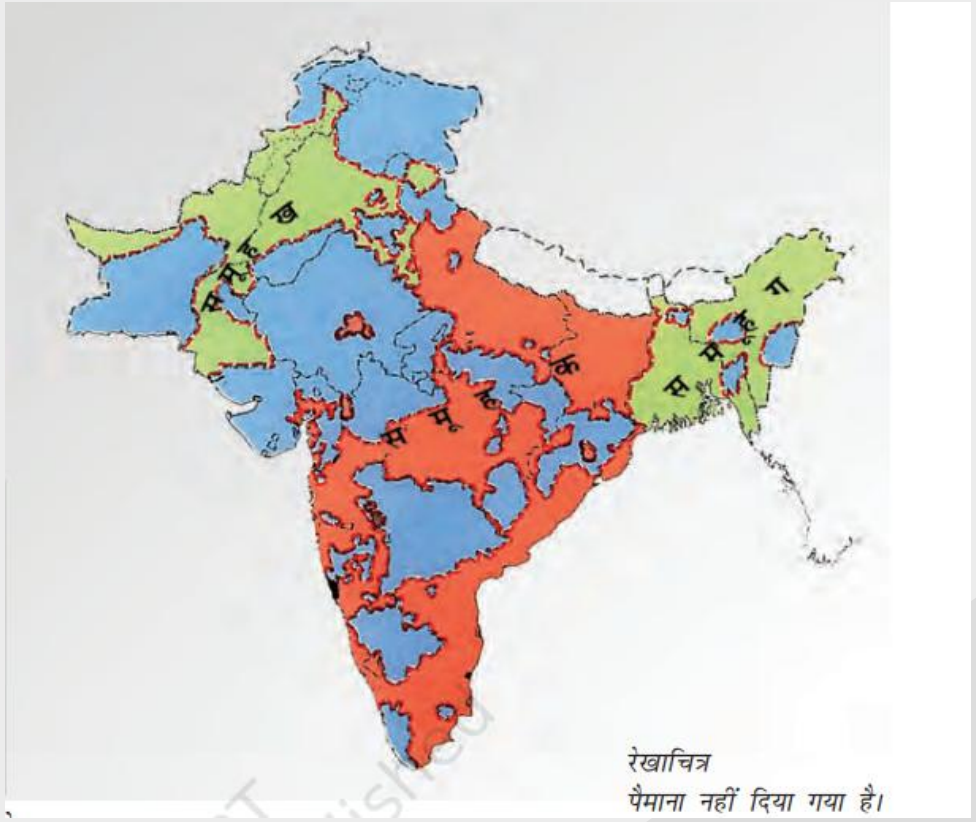

रेखाचित्र
पैमाना नहीं दिया गया है।

तीन समूहों वाले भारतीय संघ के बारे में केबिनेट मिशन का प्रस्ताव

- 1941 के मुस्लिम-बहुल इलाक़े
- 1941 के हिंदू-बहुल इलाक़े
- राजकुमारों की रियासतें, जिनके लिए प्रस्ताव में स्पष्ट प्रावधान नहीं किया गया था

THEME 14th

UNDERSTANDING PARTITION
POLITICS, MEMORIES, EXPERIENCES

वभाजन को समझना
राजनीति, स्मृति, अनुभव

Initially all the major parties accepted this plan. But the agreement was short-lived because it was based on mutually opposed interpretations of the plan.

शुरुआत में सभी प्रमुख पार्टियों ने इस योजना को मान लिया था। लेकिन यह समझौता ज़्यादा देर नहीं चल पाया क्योंकि सभी पक्षों की इस योजना के बारे में व्याख्या अलग-अलग थी।

The Congress wanted that provinces be given the right to join a group. It was not satisfied with the Mission's clarification that grouping would be compulsory at first, but provinces would have the right to opt out after the constitution had been finalised and new elections held in accordance with it.

कांग्रेस चाहती थी कि प्रांतों को अपनी इच्छा का समूह चुनने का अधिकार मिलना चाहिए। काँग्रेस कैबिनेट मिशन के इस स्पष्टीकरण से भी संतुष्ट नहीं थी कि शुरुआत में यह समूहबद्धता अनिवार्य होगी मगर एक बार संविधान बन जाने के बाद उनके पास समूहों से निकलने का अधिकार होगा और बदली हुई परिस्थितियों में नए चुनाव कराए जाएँगे।

THEME 14th

UNDERSTANDING PARTITION
POLITICS, MEMORIES, EXPERIENCES

वभाजन को समझना
राजनीति, स्मृति, अनुभव

Ultimately, therefore, neither the League nor the Congress agreed to the Cabinet Mission's proposal. This was a most crucial juncture, because after this partition became more or less inevitable, with most of the Congress leaders agreeing to it, seeing it as tragic but unavoidable.

इस प्रकार, आखिरकार केबिनेट मिशन के प्रस्ताव को लीग और कांग्रेस, दोनों ने ही नहीं माना। यह एक बहुत महत्त्वपूर्ण पड़ाव था क्योंकि इसके बाद विभाजन कमोबेश अपरिहायं हो गया था। कांग्रेस के ज़्यादातर नेता इसे त्रासद मगर अवश्यम्भावी परिणाम मान चुके थे।

THEME 14th

UNDERSTANDING PARTITION
POLITICS, MEMORIES, EXPERIENCES

वभाजन को समझना
राजनीति, स्मृति, अनुभव

Only Mahatma Gandhi and Khan Abdul Ghaffar Khan of the NWFP continued to firmly oppose the idea of partition.

केवल महात्मा गाँधी और उत्तर–पश्चिम सीमा प्रांत (एन.डब्ल्य. एफ.पी.) के नेता ख़ान अब्दुल गफ़्फ़ार ख़ान ही अंत तक विभाजन का विरोध करते रहे।

एन.डब्ल्यू.एफ.पी. में महात्मा गाँधी, खान अब्दुल गफ़्फ़ार ख़ान (जिन्हें फ्रंटयिर गाँधी या सीमांत गाँधी कहा जाता था), सुशीला नायर और अमतुस सालेम के साथ, अक्तूबर 1938

THEME 14th

UNDERSTANDING PARTITION
POLITICS, MEMORIES, EXPERIENCES

वभाजन को समझना
राजनीति, स्मृति, अनुभव

❖ "A voice in the wilderness"

Mahatma Gandhi knew that his was "a voice in the wilderness" but he nevertheless continued to oppose the idea of Partition:

❖ "बीहड में एक आवाज़"

महात्मा गाँधी जानते थे कि उनकी स्थिति "बीहड में एक आवाज़" जैसी है लेकिन फिर भी वे विभाजन की सोच का विरोध करते रहे :

UNDERSTANDING PARTITION
POLITICS, MEMORIES, EXPERIENCES

वभाजन को समझना
राजनीति, स्मृति, अनुभव

But what a tragic change we see today. I wish the day may come again when Hindus and Muslims will do nothing without mutual consultation. I am day and night tormented by the question what I can do to hasten the coming of that day.

किंतु आज हम कैसे दुखद परिवर्तन देख रहे हैं। मैं फिर वह दिन देखना चाहता हूं जब हिंदू और मुसलमान आपसी सलाह के बिना कोई काम नहीं करेंगे। मैं दिन-रात इसी आग में जल जा रहा हूं कि उस दिन को जल्दी से जल्दी साकार करने के लिए क्या करूं।

THEME 14th

UNDERSTANDING PARTITION
POLITICS, MEMORIES, EXPERIENCES

वभाजन को समझना
राजनीति, स्मृति, अनुभव

I appeal to the League not to regard any Indian as its enemy ... Hindus and Muslims are born of the same soil. They have the same blood, eat the same food, drink the same water and speak the same language.

SPEECH AT PRAYER MEETING, 7 SEPTEMBER 1946,

CWMG, VOL. 92, P.139

लीग से मेरी गुज़ारिश है कि वे किसी भी भारतीय को अपना शत्रु न मानें...। हिंदू और मुसलमान, दोनों एक ही मिट्टी से उपजे हैं। उनका ख़ून एक है, वे एक जैसा भोजन करते हैं, एक ही पानी पीते हैं, और एक ही ज़बान बोलते हैं।

प्रार्थना सभा में भाषण, 7 सितंबर 1946, कलेक्टेड वर्क्स ऑफ महात्मा गांधी, खंड 92, पृ. 139

UNDERSTANDING PARTITION
POLITICS, MEMORIES, EXPERIENCES

वभाजन को समझना
राजनीति, स्मृति, अनुभव

But I am firmly convinced that the Pakistan demand as put forward by the Muslim League is un-Islamic and I have not hesitated to call it sinful. Islam stands for the unity and brotherhood of mankind, not for disrupting the oneness of the human family.

लेकिन मुझे पूरा विश्वास है कि मुस्लिम लीग ने पाकिस्तान की जो माँग उठायो है वह पूरी तरह गैर–इस्लामिक है और मुझे इसको पापपूर्ण कृत्य कहने में कोई संकोच नहीं है। इस्लाम मानवता की एकता और भाईचारे का समर्थक है न कि मानव परिवार की एकजुटता को तोड़ने का।

UNDERSTANDING PARTITION
POLITICS, MEMORIES, EXPERIENCES

वभाजन को समझना
राजनीति, स्मृति, अनुभव

Therefore, those who want to divide India into possible warring groups are enemies alike of Islam and India. They may cut me to pieces but they cannot make me subscribe to something which I consider to be wrong.

HARIJAN, 26 SEPTEMBER 1946, CWMG, VOL. 92, P.229

जो तत्व भारत को एक-दूसरे के ख़ून के प्यासे टुकड़ों में बाँट देना चाहते हैं वे भारत और इस्लाम, दोनों के शत्रु हैं। भले ही वे मेरी देह के टुकड़े-टुकड़े कर दें, परंतु मुझसे एसी बात नहीं मनवा सकते जिसे मैं ग़लत मानता हूँ।

हरिजन, 26 सितंबर 1946, कलेक्टेड वर्क्स ऑफ महात्मा गांधी, खंड 92, पृ. 229

THEME 14th

UNDERSTANDING PARTITION
POLITICS, MEMORIES, EXPERIENCES

वभाजन को समझना
राजनीति, स्मृति, अनुभव

❖ Towards Partition

❖ विभाजन की ओर

कलकत्ता की सड़कें, अगस्त 1946 । लोहे की छड़े और लाठियाँ लिए फ़सादी।

After withdrawing its support to the Cabinet Mission plan, the Muslim League decided on "Direct Action" for winning its Pakistan demand. It announced 16 August 1946 as "Direct Action Day".

केबिनेट मिशन योजना से अपना समर्थन वापस लेने के बाद मुस्लिम लीग ने पाकिस्तान की अपनी माँग को अमली जामा पहनाने के लिए प्रत्यक्ष कायंवाही करने का फैसला लिया। पार्टी ने **16** अगस्त **1946** को "प्रत्यक्ष कायंवाही दिवस" (**Direct Action Day**) मनाने का एलान किया।

THEME 14th

UNDERSTANDING PARTITION
POLITICS, MEMORIES, EXPERIENCES

वभाजन को समझना
राजनीति, स्मृति, अनुभव

On this day, riots broke out in Calcutta, lasting several days and leaving several thousand people dead. By March 1947 violence spread to many parts of northern India.

उसी दिन कलकत्ता में दंगा भड़क उठा जो कई दिनों तक चला और उसमें कई हज़ार लोग मारे गए। मार्च **1947** तक उत्तर भारत के बहुत सारे भागों में हिंसा फैल चुकी थी।

THEME 14th

UNDERSTANDING PARTITION
POLITICS, MEMORIES, EXPERIENCES

वभाजन को समझना
राजनीति, स्मृति, अनुभव

It was in March 1947 that the Congress high command voted for dividing the Punjab into two halves, one with Muslim majority and the other with Hindu/Sikh majority; and it asked for the application of a similar principle to Bengal.

मार्च **1947** में कांग्रेस हाई कमान ने पंजाब को मुस्लिम-बहुल और हिंदू / सिख-बहुल, दो हिस्सों में बाँटने के प्रस्ताव पर मंज़ूरी दे दी। कांग्रेस ने बंगाल के मामले में भी यही सिद्धांत अपनाने का सुझाव दिया।

In Bengal too a section of bhadralok Bengali Hindus, who wanted political power to remain with them, began to fear the "permanent tutelage of Muslims" (as one of their leaders put it).

बंगाल में भी भद्रलोक बंगाली हिंदुओं का जो तबका सत्ता अपने हाथ में रखना चाहता था, वह "मुसलमानों की स्थायो गुलामी" (उनके एक नेता ने यही शब्द कहे थे) की आंशका से भयभीत था।

Since they were in a numerical minority, they felt that only a division of the province could ensure their political dominance.

संख्या की दृष्टि से वे कमज़ोर थे इसलिए उनको लगता था कि प्रांत के विभाजन से ही उनका राजनीतिक प्रभुत्व बना रह सकता है।

THEME 14th

UNDERSTANDING PARTITION
POLITICS, MEMORIES, EXPERIENCES

वभाजन को समझना
राजनीति, स्मृति, अनुभव

❖ The Withdrawal of Law and Order

❖ क़ानून व्यवस्था का नाश

The bloodbath continued for about a year from March 1947 onwards. One main reason for this was the collapse of the institutions of governance.

मार्च **1947** से तक़रीबन साल भर तक रक्तपात चलता रहा। इसका एक कारण यह था कि शासन की संस्थाएँ बिखर चुकी थीं।

THEME 14th

UNDERSTANDING PARTITION
POLITICS, MEMORIES, EXPERIENCES

वभाजन को समझना
राजनीति, स्मृति, अनुभव

1946 के उन रक्त-रंजित महीनों के दौरान हिंसा और आगजनी में हज़ारों लोग मारे गए।

Nobody knew who could exercise authority and power. The top leadership of the Indian parties, barring Mahatma Gandhi, were involved in negotiations regarding independence while many Indian civil servants in the affected provinces feared for their own lives and property. The British were busy preparing to quit India.

किसी को मालूम नहीं था कि सत्ता किसके हाथ में है। महात्मा गाँधी के अलावा भारतीय दलों के सभी वरिष्ठ नेता आज़ादी के बारे में जारी वार्ताओं में व्यस्त थे जबकि प्रभावित प्रांतों के बहुत सारे भारतीय प्रशासनिक अफ़सर अपने ही जान-माल के बारे में भयभीत थे। अंग्रेज़ भारत छोड़ने की तैयारी में लगे थे।

THEME 14th

UNDERSTANDING PARTITION
POLITICS, MEMORIES, EXPERIENCES

वभाजन को समझना
राजनीति, स्मृति, अनुभव

Problems were compounded because Indian soldiers and policemen came to act as Hindus, Muslims or Sikhs.

समस्या इसलिए और बढ़ गई क्योंकि भारतीय सिपाही और पुलिस वाले भी हिंदू, मुसलमान या सिख के रूप में आचरण करने लगे थे।

THEME 14th

UNDERSTANDING PARTITION
POLITICS, MEMORIES, EXPERIENCES

वभाजन को समझना
राजनीति, स्मृति, अनुभव

❖ **“Without a shot being fired”**

This is what Moon wrote: For over twenty-four hours riotous mobs were allowed to rage through this great commercial city unchallenged and unchecked. The finest bazaars were burnt to the ground without a shot being fired to disperse the incendiaries (i.e. those who stirred up conflict). The ...

❖ **“एक गोली भी नहीं चलायी गयी”**

मून ने जो लिखा : 24 घंटे से भी ज़्यादा वक्त तक दंगाई . भीड को इस विशाल व्यावसायिक शहर में बेरोक-टोक तबाही फैलाने दी गई। बेहतरीन बाज़ारों को जलाकर राख कर दिया गया जबकि उपद्रव फैलाने वालों के ऊपर एक गोली भी नहीं चलाई गयो। ...

UNDERSTANDING PARTITION
POLITICS, MEMORIES, EXPERIENCES

वभाजन को समझना
राजनीति, स्मृति, अनुभव

District Magistrate marched his (large police) force into the city and marched it out again without making any effective use of it at all ...

ज़िला मजिस्ट्रेट ने अपने (विशाल पुलिस) बल को शहर में मार्च का आदेश दिया और उसका कोई सार्थक इस्तेमाल किए बिना वापस बुला लिया...।

UNDERSTANDING PARTITION
POLITICS, MEMORIES, EXPERIENCES

वभाजन को समझना
राजनीति, स्मृति, अनुभव

❖ The one-man army

❖ महात्मा गांधो–एक अकेली फ़ौज

The 77-year-old Gandhiji decided to stake his all in a bid to vindicate his lifelong principle of non-violence, and his conviction that people's hearts could be changed.

77 साल के बुज़ुर्ग गाँधीजी ने अहिंसा के अपने जीवनपर्यंत सिद्धांत को एक बार फिर आज़माया और अपना सब कुछ दाँव पर लगा दिया। उनका फ़ैसला इस यक़ीन पर आधारित था कि लोगों का हृदय परिवर्तन किया जा सकता है।

THEME 14th

UNDERSTANDING PARTITION
POLITICS, MEMORIES, EXPERIENCES

वभाजन को समझना
राजनीति, स्मृति, अनुभव

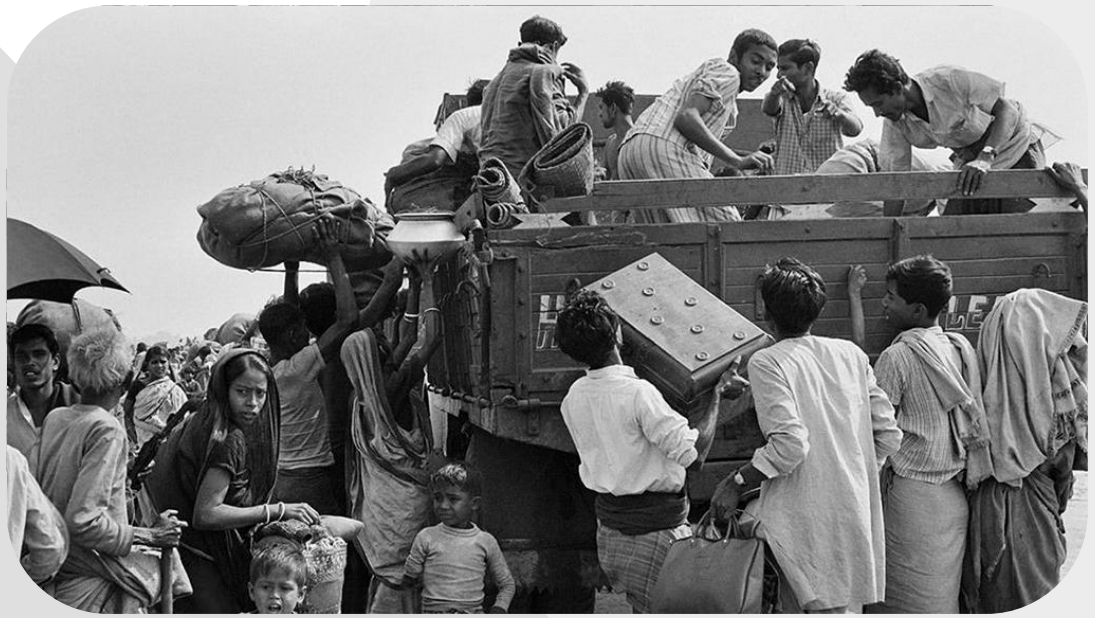

In October 1946, Muslims in East Bengal targeted Hindus. Gandhiji visited the area, toured the villages on foot, and persuaded the local Muslims to guarantee the safety of Hindus.

अक्तूबर **1946** में पूर्वी बंगाल के मुसलमान हिंदुओं पर निशाना कस रहे थे। गांधीजी वहां गए, पैदल, गाँव–गाँव पहुँचे और उन्होंने स्थानीय मुसलमानों को समझाया कि वे हिंदुओं की रक्षा करें।

Similarly, in other places such as Delhi he tried to build a spirit of mutual trust and confidence between the two communities.

इसी तरह अन्य स्थानों पर, जैसे कि दिल्ली में, उन्होंने दोनों समुदायों में पारस्परिक भरोसा और विश्वास बनाने की कोशिश की।

THEME 14th

UNDERSTANDING PARTITION
POLITICS, MEMORIES, EXPERIENCES

वभाजन को समझना
राजनीति, स्मृति, अनुभव

नोआखली में महात्मा गाँधी की एक झलक पाने को इकट्ठा गाँव वालों का हुजूम।

Gandhiji's arrival in Delhi on 9 September 1947 to "the arrival of the rains after a particularly long and harsh summer". Dehlavi recalled in his memoir how Muslims said to one another: "Delhi will now be saved".

9 सितंबर **1947** को दिल्ली में गाँधीजी के आगमन को "बड़ी लंबी और कठोर गर्मी के बाद बरसात की फुहारों के आने" जैसा महसूस किया। देहलवी ने अपने संस्मरणों में लिखा है कि मुसलमान एक-दूसरे से कहने लगे थे : "अब दिल्ली बच जाएगी"।

THEME 14th

UNDERSTANDING PARTITION
POLITICS, MEMORIES, EXPERIENCES

वभाजन को समझना
राजनीति, स्मृति, अनुभव

On 28 November 1947, on the occasion of Guru Nanak's birthday, when Gandhiji went to address a meeting of Sikhs at Gurdwara Sisganj, he noticed that there was no Muslim on the Chandni Chowk road, the heart of old Delhi.

28 नवंबर 1947 को गुरु नानक जयंती के मौके पर जब गाँधीजी गुरुद्वारा सीसगंज में सिखों की एक सभा को संबोधित करने गय तो उन्होंने देखा कि दिल्ली का दिल कहलाने वाले चाँदनी चौक की सड़क पर एक भी मुसलमान नहीं था।

बिहार में एक दंगा पीड़ित गाँव के लोग महात्मा गाँधी की प्रतीक्षा कर रहे हैं।

Gandhiji continued to be in Delhi, fighting the mentality of those who wished to drive out every Muslim from the city, seeing them as Pakistani. When he began a fast to bring about a change of heart, amazingly, many Hindu and Sikh migrants fasted with him.

गाँधीजी अपनी हत्या तक दिल्ली में ही रहे और आख़िरी दिनों में मुसलमानों को शहर से बाहर खदेड़ने की सोच से तंग आकर उन्होंने अनशन शुरू कर दिया था। आश्चयंजनक बात है कि पाकिस्तान से आए हिंदू और सिख शरणार्थी भी अनशन में उनके साथ बैठते थे।

THEME 14th

UNDERSTANDING PARTITION
POLITICS, MEMORIES, EXPERIENCES

वभाजन को समझना
राजनीति, स्मृति, अनुभव

The effect of the fast was "electric", wrote Maulana Azad.

मौलाना आज़ाद ने लिखा है कि इस अनशन का असर, "आसमान की बिजली" जैसा रहा।

THEME 14th

UNDERSTANDING PARTITION
POLITICS, MEMORIES, EXPERIENCES

वभाजन को समझना
राजनीति, स्मृति, अनुभव

❖ Gendering Partition ("Recovering" women)

❖ बँटवारे में औरतें (औरतों की "बरामदगी")

In the last decade and a half, historians have been examining the experiences of ordinary people during the Partition.

पिछले तकरीबन डेढ़ दशक से इतिहासकार बँटवारे के दौरान आम लोगों के अनुभवों की पड़ताल कर रहे हैं।

Women were raped, abducted, sold, often many times over, forced to settle down to a new life with strangers in unknown circumstances.

उनके साथ बलात्कार हुए, उनको अग़वा किया गया, बार–बार बेचा–ख़रीदा गया, अनजान हालात में अजनबियों के साथ एक नयो ज़िंदगी बसर करने के लिए मजबूर किया गया।

THEME 14th

UNDERSTANDING PARTITION
POLITICS, MEMORIES, EXPERIENCES

वभाजन को समझना
राजनीति, स्मृति, अनुभव

अपने घरवालों की मौत की ख़बर सुनकर औरतें एक-दूसरे को ढाँढ़स बँधा रही हैं।
दंगों में पुरुष बड़ी संख्या में मारे गए थे।

Deeply traumatised by all that they had undergone, some began to develop new family bonds in their changed circumstances.

औरतों ने जो कुछ भुगता था उसके गहरे सदमे के बावजूद बदले हुए हालात में कुछ औरतों ने अपने नए पारिवारिक बंधन विकसित किए।

UNDERSTANDING PARTITION
POLITICS, MEMORIES, EXPERIENCES

वभाजन को समझना
राजनीति, स्मृति, अनुभव

Believing the women to be on the wrong side of the border, they now tore them away from their new relatives, and sent them back to their earlier families or locations.

इस तरह की बहुत सारी औरतों को ज़बरदस्ती घर बिठा ली गई मानते हुए उन्हें उनके नए परिवारों से छीनकर दोबारा पुराने परिवारों या स्थानों पर भेज दिया गया।

THEME 14th

UNDERSTANDING PARTITION
POLITICS, MEMORIES, EXPERIENCES

वभाजन को समझना
राजनीति, स्मृति, अनुभव

They did not consult the concerned women, undermining their right to take decisions regarding their own lives.

जिन औरतों के बारे में फ़ैसले लिए जा रहे थे उनसे इस बार भी सलाह नहीं ली गई। अपनी ज़िंदगी के बारे में फ़ैसला लेने के उनके अधिकार को एक बार फिर नज़रअंदाज़ कर दिया।

UNDERSTANDING PARTITION
POLITICS, MEMORIES, EXPERIENCES

वभाजन को समझना
राजनीति, स्मृति, अनुभव

❖ What "recovering" women meant

Here is the experience of a couple, recounted by Prakash Tandon in his Punjabi Century, an autobiographical social history of colonial Punjab:

In one instance, a Sikh youth who had run amuck during the Partition persuaded a massacring crowd to let him take away a young, beautiful Muslim girl.

❖ औरतों की "बरामदगी" का मतलब क्या था

प्रकाश टण्डन ने उपनिवेशी पंजाब का एक आत्मकथात्मक सामाजिक इतिहास पंजाबी सैंचुरी के नाम से लिखा है।

एक घटना एसी हुई कि बँटवारे के दौरान मारकाट बचाने वाले एक सिख नौजवान ने हत्याकांड पर तुली हुई भीड को मनाकर एक ख़ूबसूरत मुसलमान लड़की को अपने लिए माँग लिया।

UNDERSTANDING PARTITION
POLITICS, MEMORIES, EXPERIENCES

वभाजन को समझना
राजनीति, स्मृति, अनुभव

They got married, and slowly fell in love with each other. Gradually memories of her parents, who had been killed, and her former life faded. They were happy together, and a little boy was born. Soon, however, social workers and the police, labouring assiduously to recover abducted women, began to track down the couple.

उन दोनों ने शादी कर ली और धीरे-धीरे एक दूसरे से प्यार भी करने लगे। लड़की के दिमाग़ से अपने मारे गए माता-पिता और पिछली ज़िंदगी की यादें क्रमशः धुँधली पड़ने लगीं। वे एक दूसरे के साथ ख़ुश थे और उनके एक बेटा भी हुआ। पर जल्दी ही अपहृत औरतों का पता लगा कर उन्हें वापस लौटाने में लगन से जुटे सामाजिक कार्यकर्ताओं और पुलिसवालों को उनकी भनक मिल गई।

They made inquiries in the Sikh's home-district of Jalandhar; he got scent of it and the family ran away to Calcutta. The social workers reached Calcutta. Meanwhile, the couple's friends tried to obtain a stay-order from the court but the law was taking its ponderous course. From Calcutta the couple escaped to some obscure Punjab village, hoping that the police would fail to shadow them. But the police caught up with them and began to question them.

उन्होंने उस सिख के गृह-ज़िले जालंधर में पूछ-ताछ की। उसे इसकी ख़बर मिल गई और वह परिवार के साथ कलकत्ता भाग निकला। सामाजिक कार्यकर्ता भी कलकत्ता पहुँच गए इस बीच उसके मित्रों ने अदालत से स्टे-ऑर्डर लेने की कोशिश की पर कानून अपनी ही भारी-भरकम चाल से चल रहा था। कलकत्ता से यह जोड़ा इस उम्मीद में पंजाब के किसी अनजान से गाँव को भागा कि पीछा करने वाली पुलिस वहां नहीं पहुँच सकेगी। लेकिन पुलिस ने उन्हें पकड लिया और पूछ-ताछ करने लगी

His wife was expecting again and now nearing her time. The Sikh sent the little boy to his mother and took his wife to a sugar-cane field. He made her as comfortable as he could in a pit while he lay with a gun, waiting for the police, determined not to lose her while he was alive.

उसकी पत्नी फिर से गर्भवती हो गई थी और अब बच्चे का जन्म नज़दीक ही था। उस सिख ने अपने छोटे-से बेटे को तो अपनी मां के पास भेज दिया और ख़ुद अपनी पत्नी को गन्ने के खेत में ले गया। वहां एक गड्ढे में उसने अपनी पत्नी को यथा संभव आराम से लिटा दिया और ख़ुद पुलिस की राह देखते हुए एक बंदूक लेकर लेट गया। उसने ठान रखी थी कि जीते-जी वह अपनी पत्नी को अपने से अलग न होने देगा।

UNDERSTANDING PARTITION
POLITICS, MEMORIES, EXPERIENCES

वभाजन को समझना
राजनीति, स्मृति, अनुभव

In the pit he delivered her with his own hands. The next day she ran high fever, and in three days she was dead. He had not dared to take her to the hospital. He was so afraid the social workers and the police would take her away.

उस गड्ढे में ही उसने अपने हाथों से पत्नी की जचगी कराई। अगले दिन उसकी पत्नी को तेज़ बुख़ार आ गया और तीन दिन में वह मर गई। पति उसे अस्पताल ले जाने की हिम्मत न कर सका क्योंकि वह डरता था कि सामाजिक कार्यकर्ता और पुलिस उसे उससे छीन लेंगे।

❖ Preserving "honour"

❖"इज़्ज़त" की रक्षा

Scholars have also shown how ideas of preserving community honour came into play in this period of extreme physical and psychological danger.

विद्वानों ने इस बात पर भी रोशनी डाली है कि इस भीषण शारीरिक और मनोवैज्ञानिक ख़तरे के काल में किस तरह समुदाय की इज़्ज़त बचाने की सोच भी एक अहम भूमिका अदा कर रही थी।

This notion of honour drew upon a conception of masculinity defined as ownership of zan (women) and zamin (land), a notion of considerable antiquity in North Indian peasant societies.

इज़्ज़त का यह विचार मर्दानगी की एक ख़ास अवधारणा पर आधारित था जिसमें मर्दानगी ज़न (औरत) और ज़मीन पर मालिकाने से तय होती है। उत्तर भारतीय किसान समाजों में यह ख़ासा पुराना विचार रहा है।

THEME 14th

UNDERSTANDING PARTITION
POLITICS, MEMORIES, EXPERIENCES

वभाजन को समझना
राजनीति, स्मृति, अनुभव

At times, therefore, when the men feared that "their" women – wives, daughters, sisters – would be violated by the "enemy", they killed the women themselves.

इसीलिए कई बार जब पुरुषों को यह भय होता था कि, "उनकी" औरतों – बीवी, बेटी, बहन – को "शत्रु" नापाक कर सकता है तो वे औरतों को ही मार डालते थे।

THEME 14th

UNDERSTANDING PARTITION
POLITICS, MEMORIES, EXPERIENCES

वभाजन को समझना
राजनीति, स्मृति, अनुभव

The migrant refugees from this village still commemorate the event at a gurdwara in Delhi, referring to the deaths as martyrdom, not suicide.

इस गाँव से आए शरणार्थी दिल्ली के एक गुरुद्वारे में आज भी इस घटना पर कायक्रम आयोजित करते हैं। वे इन मौतों को आत्महत्या नहीं बल्कि शहादत का दर्जा देते हैं।

THEME 14th

UNDERSTANDING PARTITION
POLITICS, MEMORIES, EXPERIENCES

वभाजन को समझना
राजनीति, स्मृति, अनुभव

On 13 March every year , when their “ martyrdom” is celebrated, the incident is recounted to an audience of men, women and children. Women are exhorted to remember the sacrifice and bravery of their sisters and to cast themselves in the same mould.

हर साल **13** मार्च को जब उनकी “शहादत” पर कायंक्रम आयोजित किया जाता है तो इस घटना को मदों, औरतों और बच्चों की सभा में विस्तार से सुनाया जाता है। औरतों को अपनी बहनों के बलिदान और बहादुरी को अपने दिलों में संजोने और ख़ुद को भी उसी साँचे में ढालने के लिए प्रेरित किया जाता है।

THEME 14th

UNDERSTANDING PARTITION
POLITICS, MEMORIES, EXPERIENCES

वभाजन को समझना
राजनीति, स्मृति, अनुभव

For the community of survivors, the remembrance ritual helps keep the memory alive.

यह स्मृति कायंक्रम समुदाय के ज़िंदा बचे लोगों के लिए उन यादों को जीवित रखने में मदद देता है।

❖ Regional Variations

❖ क्षेत्रीय विविधताएँ

The experiences of ordinary people we have been discussing so far relate to the north-western part of the subcontinent.

अभी तक हम आम लोगों के जिन अनुभवों पर चर्चा कर रहे हैं वे उपमहाद्वीप के उत्तर–पश्चिमी इलाक़े से संबंधित थे।

THEME 14th

UNDERSTANDING PARTITION
POLITICS, MEMORIES, EXPERIENCES

वभाजन को समझना
राजनीति, स्मृति, अनुभव

हताश चेहरे
1947 में पुराने क़िले के भीतर एक विशाल शरणार्थी शिविर खोला गया था जिसमें विभिन्न स्थानों से आने वाले शरण लेते थे।

The near -total displacement of Hindus and Sikhs eastwards into India from West Punjab and of almost all Punjabi-speaking Muslims to Pakistan happened in a relatively short period of two years between 1946 and 1948.

पश्चिमी पंजाब से तक़रीबन सभी हिंदुओं और सिखों को भारत की तरफ़ और तक़रीबन सभी पंजाबी भाषी मुसलमानों को पाकिस्तान की तरफ़ हाँक दिया गया। और यह सब कुछ **1946** से **1948** के बीच, महज़ दो साल में हो गया।

UNDERSTANDING PARTITION
POLITICS, MEMORIES, EXPERIENCES

वभाजन को समझना
राजनीति, स्मृति, अनुभव

Many Muslim families of Uttar Pradesh, Bihar, Madhya Pradesh and Hyderabad in Andhra Pradesh continued to migrate to Pakistan through the 1950s and early 1960s, although many chose to remain in India.

उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश और हैदराबाद (आंध्र प्रदेश) के बहुत सारे परिवार पचास के दशक और साठ के दशक के शुरुआती सालों में भी पाकिस्तान जाकर बसते रहे लेकिन बहुत सारों ने भारत में ही रहने का फ़ैसला किया।

THEME 14th

UNDERSTANDING PARTITION
POLITICS, MEMORIES, EXPERIENCES

वभाजन को समझना
राजनीति, स्मृति, अनुभव

In Bengal the migration was even more protracted, with people moving across a porous border.

बंगाल में यह पलायन ज़्यादा लंबे समय तक चलता रहा। लोग ढोली-ढाली सीमा के आर-पार जाते रहे।

Furthermore, unlike the Punjab, the exchange of population in Bengal was not near-total.

पंजाब के विपरीत, बंगाल में धर्म के आधार पर आबादी का बँटवारा भी उतना साफ़ नहीं था।

THEME 14th

UNDERSTANDING PARTITION
POLITICS, MEMORIES, EXPERIENCES

वभाजन को समझना
राजनीति, स्मृति, अनुभव

A common religion could not hold East and West Pakistan together.

ज़ाहिर है, इस्लाम पूर्वी और पश्चिमी पाकिस्तान को एक-दूसरे से जोड़कर नहीं रख पाया।

There is, however, a huge similarity between the Punjab and Bengal experiences.

इसके बावजूद पंजाब और बंगाल के अनुभवों में ज़बरदस्त समानताएँ भी दिखाई देती हैं।

UNDERSTANDING PARTITION
POLITICS, MEMORIES, EXPERIENCES

वभाजन को समझना
राजनीति, स्मृति, अनुभव

❖ Fiction, Poetry, Films

Are you familiar with any short stories, novels, poems or films about Partition? More often than not, Partition literature and films represent this cataclysmic event in more insightful ways than do the works of historians.

❖ कहानी, कविता, फ़िल्म

क्या आप विभाजन से संबंधित किसी लघुकथा, उपन्यास, कविता या फ़िल्म के बारे में जानते हैं? प्रायः एसा होता है कि बँटवारे से संबंधित साहित्य और फ़िल्मों में उस विध्वंसक घटना को इतिहासकारों के मुक़ाबले ज़्यादा गहरी अंतर्दृष्टि के साथ पेश किया जाता है।

THEME 14th

UNDERSTANDING PARTITION
POLITICS, MEMORIES, EXPERIENCES

वभाजन को समझना
राजनीति, स्मृति, अनुभव

They seek to understand mass suffering and pain by focusing on an individual protagonist or small groups of ordinary people whose destinies were shaped by a big event over which they seemed to have no control. They record the anguish and the ambiguities of the times, the incomprehensible choices that many were confronted with.

उनमें सामूहिक पीड़ा और कठिनाइयों को किसी एक व्यक्ति या एक छोटे से समूह के ज़रिए समझने की कोशिश की जाती है। उनकी नियति एक एसी विशाल घटना से तय होती है जिस पर उनका कोई वश नहीं था। इन कृतियों में उस समय के आक्रोश व भ्रमों, लोगों को जो अजीबोग़रीब रास्ते अपनाने पड़े, उनको दर्ज किया जाता है।

UNDERSTANDING PARTITION
POLITICS, MEMORIES, EXPERIENCES

वभाजन को समझना
राजनीति, स्मृति, अनुभव

They register a sense of shock and bewilderment at the scale and magnitude of the violence, at human debasement and depravity. They also speak of hope and of the ways in which people overcame adversity.

उनमें हिंसा की भीषणता, इनसानी पतन और दुर्दशा पर सदमे व हैरानी का भाव दिखता है। उनमें उस उम्मीद और उन तरीकों का भी ज़िक्र होता है जिनके ज़रिए लोग एसी मुश्किल घडियों का मुक़ाबला करते हैं।

THEME 14th

UNDERSTANDING PARTITION
POLITICS, MEMORIES, EXPERIENCES

वभाजन को समझना
राजनीति, स्मृति, अनुभव

Saadat Hasan Manto, a particularly gifted Urdu short-story writer, has this to say about his work:

For a long time I refused to accept the consequences of the revolution which was set off by the partition of the country. I still feel the same way; but I suppose, in the end, I came to accept this nightmarish reality without self-pity or despair.

उर्दू के बेहद प्रतिभाशाली कहानीकार सआदत हसन मंटो ने अपने लेखन के बारे में कहा था:

लंबे अर्से तक मैं देश के बँटवारे से अपनी उथल-पुथल के नतीजों को स्वीकार करने से इनकार करता रहा। महसूस तो मैं अब भी वही करता हूं, पर मुझे लगता है कि आख़िरकार मैंने अपने आप पर तरस खाए या हताश हुए बगैर उस ख़ौफ़नाक सच्चाई को मंज़ूर कर लिया है।

THEME 14th

UNDERSTANDING PARTITION
POLITICS, MEMORIES, EXPERIENCES

वभाजन को समझना
राजनीति, स्मृति, अनुभव

In the process I tried to retrieve from this manmade sea of blood, pearls of a rare hue, by writing about the single-minded dedication with which men had killed men, about the remorse felt by some of them, about the tears shed by murderers who could not understand why they still had some human feelings left. All this and more, I put in my book, Siyah Hashiye (Black Margins).

इस प्रक्रिया में मैंने इनसान के बनाए हुए लहू के इस समुंदर से अनोख़ी आब वाले मोतियों को निकालने की कोशिश की– मैंने इनसानों को मारनेवाले इनसानों की एकचित्त धुन के बारे में लिखा, उनमें से कुछ के पछतावे के बारे में लिखा, उन क़ातिलों के बहाए गए आँसुओं के बारे में लिखा जो समझ नहीं पा रहे थे कि उनमें अब तक कुछ इनसानी जज़्बे बाकी कैसे रह गए। इन तमाम, और इनके अलावा और भी बहुत–सी बातों को मैंने अपनी किताब सियाह हाशिय में लिखा है।'

THEME 14th

UNDERSTANDING PARTITION
POLITICS, MEMORIES, EXPERIENCES

वभाजन को समझना
राजनीति, स्मृति, अनुभव

Partition literature and films exist in many languages, notably in Hindi, Urdu, Punjabi, Sindhi, Bengali, Assamese and English.

विभाजन से संबंधित साहित्य और फ़िल्में बहुत सारी भाषाओं में मौजूद हैं। हिंदी, उर्दू, पंजाबी, सिंधी, बंगाली, असमिया और अंग्रेज़ी, इन सारी भाषाओं में इस विषय पर ख़ूब काम हुआ है।

You may want to read writers such as Manto, Rajinder Singh Bedi (Urdu), Intizar Husain (Urdu), Bhisham Sahni (Hindi), Kamaleshwar (Hindi), Rahi Masoom Raza (Hindi), Narain Bharati (Sindhi), Sant Singh Sikhon (Punjabi), Narendranath Mitra (Bengali), Syed Waliullah (Bengali), Lalithambika Antharjanam (Malayalam), Amitav Ghosh (English) and Bapsi Sidhwa (English).

संभव है आप मंटो, राजिन्दर सिंह बेदी, इन्तेज़ार हुसैन (उर्दू); भीष्म साहनी, कमलेश्वर, राही मासूम रज़ा (हिंदी); नारायण भारती (सिंधी); संत सिंह सेखों (पंजाबी); नरेन्द्रनाथ मित्रा, सैयद वलीउल्ला (बंगला); ललिताम्बिका अंतरज्ञानम (मलयालम); अमिताव घोष और बाप्सी सिधवा (अंग्रेज़ी) जैसे लेखकों को पढ़ना चाहते हों।

UNDERSTANDING PARTITION
POLITICS, MEMORIES, EXPERIENCES

वभाजन को समझना
राजनीति, स्मृति, अनुभव

Amrita Pritam, Faiz Ahmed Faiz and Dinesh Das have written memorable poems on Partition in Punjabi, Urdu and Bengali respectively. You may also want to see films directed by Ritwik Ghatak (Meghe Dhaka Tara and Subarnarekha), M.S. Sathyu (Garam Hawa), Govind Nihalani (Tamas), and a play, Jis Lahore Nahin Vekhya O Jamya-e-nai (He Who Has Not Seen Lahore, Has Not Been Born) directed by Habib Tanvir.

अमृता प्रीतम, फ़ैज़ अहमद फ़ैज़ और दिनेश दास ने पंजाबी, उर्दू और बंगला में विभाजन पर यादगार कविताएँ लिखी हैं। संभव है इस विषय पर आप कुछ और फ़िल्में भी देखना चाहें। इस दिशा में आप ऋत्विक घटक (मेघे ढाका तारा और सुबर्णारेखा), एम.एस. सथ्यू (गर्म हवा), गोविन्द निहलानी (तमस), और हबीब तनवीर द्वारा निर्देशित नाटक जिस लाहौर नई देख्या, ओ जम्या–ई–नई को देख सकते हैं।

THEME 14th

UNDERSTANDING PARTITION
POLITICS, MEMORIES, EXPERIENCES

वभाजन को समझना
राजनीति, स्मृति, अनुभव

- **Help, Humanity, Harmony**
- मदद, मानवता, सद्भावना

Buried under the debris of the violence and pain of Partition is an enormous history of help, humanity and harmony.

हिंसा के कचरे और विभाजन की पीड़ा के तले, इनसानियत और सौहार्द का एक विशाल इतिहास दबा पड़ा है।

THEME 14th

UNDERSTANDING PARTITION
POLITICS, MEMORIES, EXPERIENCES

वभाजन को समझना
राजनीति, स्मृति, अनुभव

The residents of Dharampur developed the kind of faith and confidence in his humanity and generosity that the Delhi Muslims and others had in Gandhiji.

धर्मपुर के लोगों में उनके इनसानी जज़्बे और सहृदयता के प्रति गहरी आस्था और विश्वास पैदा हो गया था। उन पर लोगों का वैसा ही भरोसा था जैसा दिल्ली और कई जगह के मुसलमानों को गाँधीजी पर था।

हर जगह शरणार्थी शिविर लोगों से भरे हुए थे और इन लोगों को केवल खाना और छत ही नहीं चाहिए थी बल्कि प्यार और सहृदयता की भी ज़रूरत थी।

UNDERSTANDING PARTITION
POLITICS, MEMORIES, EXPERIENCES

वभाजन को समझना
राजनीति, स्मृति, अनुभव

A Remembrance of 1947. Here, Singh describes his work as "humble efforts I made to discharge my duty as a human being to fellow human beings".

ए रिमेम्बेरेंस ऑफ़ **1947** (मुहब्बत नफ़रत से ज़्यादा ताक़तवर होती है : **1947** की यादें) से पता चलता है। यहां डॉक्टर साहब ने अपने कामों को बयान करते हुए लिखा है कि यह "एक इनसान होने के नाते बिरादर इनसानों के प्रति अपनी ज़िम्मेदारी का निर्वाह करते हुए मेरी छोटी सी कोशिश" थी।

He speaks most warmly of two short visits to Karachi in 1949. Old friends and those whom he had helped at Dharampur spent a few memorable hours with him at Karachi airport.

उन्होंने **1949** में कराची की दो संक्षिप्त यात्राओं का गर्व से ज़िक्र किया है। उनके पुराने दोस्तों और धर्मपुर में उनसे मदद लेने वालों को कराची हवाई अड्डे पर उनके साथ कुछ यादगार घंटे बिताने का मौका मिला।

THEME 14th

UNDERSTANDING PARTITION
POLITICS, MEMORIES, EXPERIENCES

वभाजन को समझना
राजनीति, स्मृति, अनुभव

❖ Oral Testimonies and History

❖ मौखिक गवाही और इतिहास

Oral narratives, memoirs, diaries, family histories, first-hand written accounts – all these help us understand the trials and tribulations of ordinary people during the partition of the country.

मौखिक वृत्तांत, संस्मरण, डायरियां, पारिवारिक इतिहास और स्वलिखित ब्योरे – इन सबसे त.क्सीम के दौरान आम लोगों की कठिनाइयों व मुसीबतों को समझने में मदद मिलती है।

THEME 14th

UNDERSTANDING PARTITION
POLITICS, MEMORIES, EXPERIENCES

वभाजन को समझना
राजनीति, स्मृति, अनुभव

One of the strengths of personal reminiscence – one type of oral source – is that it helps us grasp experiences and memories in detail.

व्यक्तिगत स्मृतियों – जो एक तरह का मौखिक स्रोत है – की एक ख़ूबी यह है कि उनमें हमें अनुभवों और स्मृतियों को और बारीक़ी से समझने का मौका मिलता है।

THEME 14th

UNDERSTANDING PARTITION
POLITICS, MEMORIES, EXPERIENCES

वभाजन को समझना
राजनीति, स्मृति, अनुभव

In the case of Partition, government reports and files as well as the personal writings of its high-level functionaries throw ample light on negotiations between the British and the major political parties about the future of India or on the rehabilitation of refugees.

विभाजन के मामले में सरकारी रिपाटों व फ़ाइलों और आला सरकारी अफ़सरों के निजी लेखन से अंग्रेज़ों तथा प्रमुख राजनीतिक पार्टियों के बीच भारत के भविष्य या शरणार्थियों के पुनर्वास के बारे में चलने वाली वार्ताओं पर तो काफ़ी रोशनी पड़ती है।

Oral history also allows historians to broaden the boundaries of their discipline by rescuing from oblivion the lived experiences of the poor and the powerless: those of, say, Abdul Latif's father; the women of Thoa Khalsa;

मौखिक इतिहास से इतिहासकारों को ग़रीबों और कमज़ोरों – मसलन अब्दुल लतीफ़ के पिता, थुआ खालसा की औरतों,

the refugee who retailed wheat at wholesale prices, eking out a paltry living by selling the gunny bags in which the wheat came; a middle-class Bengali widow bent double over road-laying work in Bihar;

गेहूं के खाली बोरों को बेच कर चार पैसे का जुगाड करने और थोक भाव पर ख़ुदरा गेहूं बेचने वाले शरणार्थियों, बिहार में बन रही सड़क पर काम के बोझ से दोहरी हुई जा रही एक मध्यवर्गीय बंगाली विधवा,

a Peshawari trader who thought it was wonderful to land a petty job in Cuttack upon migrating to India but asked: "Where is Cuttack, is it on the upper side of Hindustan or the lower; we haven't quite heard of it before in Peshawar?"

एक पेशावरी व्यापारी जिसे भारत जा कर कटक में छोटी–मोटी नौकरी गज़ब की चीज़ दिखाई दे रही थी लेकिन जिसे यह मालूम न था कि "कटक कहां है, यह हिंदुस्तान के ऊपरी हिस्से में है या निचले हिस्से में, पेशावर में तो हमने कभी उसके बारे में सुना नहीं" – के अनुभवों को उपेक्षा के अंधकार से निकाल कर अपने विषय के किनारों को और फैलाने का मौका मिलता है।

UNDERSTANDING PARTITION
POLITICS, MEMORIES, EXPERIENCES

वभाजन को समझना
राजनीति, स्मृति, अनुभव

Thus, moving beyond the actions of the well off and the well known, the oral history of Partition has succeeded in exploring the experiences of those men and women whose existence has hitherto been ignored, taken for granted, or mentioned only in passing in mainstream history.

इस प्रकार संपन्न और सुज्ञात लोगों की गतिविधियों से आगे जाते हुए विभाजन का मौखिक इतिहास एसे मर्दों–औरतों के अनुभवों की पड़ताल करने में कामयाब रहा है जिनके वजूद को अब तक नज़रअंदाज़ कर दिया जाता था, सहज–स्वाभाविक मान लिया जाता था, या जिनका मुख्यधारा के इतिहास में बस चलते–चलते ज़िक्र कर दिया जाता था।

Yet, many historians still remain sceptical of oral history.

अभी भी बहुत सारे इतिहासकार मौखिक इतिहास के बारे में शंकालु हैं।

THEME 14th

UNDERSTANDING PARTITION
POLITICS, MEMORIES, EXPERIENCES

वभाजन को समझना
राजनीति, स्मृति, अनुभव

Historians argue that the uniqueness of personal experience makes generalisation difficult : a large picture cannot be built from such micro-evidence, and one witness is no witness

इतिहासकारों की दलील है कि निजी तजुर्बों की विशिष्टता के सहारे समान्यकरण करना, यानी किसी सामान्य नतीजे पर पहुँचना मुश्किल होता है। उनका कहना है कि इस तरह के छोटे-छोटे अनुभवों से मुक़म्मल तसवीर नहीं बनाई जा सकती और सिर्फ़ एक गवाह को गवाह नहीं माना जा सकता।

THEME 14th

UNDERSTANDING PARTITION
POLITICS, MEMORIES, EXPERIENCES

वभाजन को समझना
राजनीति, स्मृति, अनुभव

They also think oral accounts are concerned with tangential issues, and that the small individual experiences which remain in memory are irrelevant to the unfolding of larger processes of history.

उनको यह भी लगता है कि मौखिक विवरण सतही मुद्दों से ताल्लुक रखते हैं और यादों में चस्पां रह जाने वाले छोटे-छोटे अनुभव इतिहास की वृहत्तर प्रक्रियाओं का कारण ढूँढने में अप्रासंगिक होते हैं।

न तो सभी गाड़ी से यात्रा कर सकते थे और न ही सभी पैदल चल सकते थे।

THEME 14th

UNDERSTANDING PARTITION
POLITICS, MEMORIES, EXPERIENCES

वभाजन को समझना
राजनीति, स्मृति, अनुभव

If history has to accord presence to the ordinary and powerless, then the oral history of Partition is not concerned with tangential matters.

अगर इतिहास में साधारण व कमज़ोरों के वजूद को जगह देनी है तो यह कहने में कोई हर्ज़ नहीं है कि बँटवारे का मौखिक इतिहास केवल सतही मुद्दों से संबंधित नहीं है।

UNDERSTANDING PARTITION
POLITICS, MEMORIES, EXPERIENCES

वभाजन को समझना
राजनीति, स्मृति, अनुभव

Different types of sources have to be tapped for answering different types of questions.

अलग तरह के सवालों के जवाब ढूँढ़ने के लिए अलग तरह के स्रोतों को ढूँढना ही होगा ।

THANKS
FOR
WATCHING